वर्ष : 17 ❖ अंक : 90 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 04 नवम्बर 2022

बीजेपी भारी बहुमत से गुजरात में सरकार बनाएगी : जे.पी. नड्डा 3

आईसीसी का अगला चेयरमैन कौन ? 7

राज्य कर दो नर्सों को मिलेगा राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटेंगल पुरस्कार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 नवम्बर । राज्य की टीका देवी पांडे और ताशी ल्हामू शेरपा नामक दो नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटेंगल पुरस्कार 2021 के लिए चुना गया है। आगामी 7 नवम्बर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दोनों को सम्मानित करेंगी। टीका देवी पांडे वर्तमान में रानीपूल शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और ताशी ल्हामू शेरपा सोरेंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाली नर्स टीका देवी पांडे सीनियर एएनएम हैं और पिछले 33 वर्षों से इस पेशे में कार्यरत हैं। वहीं ताशी ल्हामू शेरपा एक सहायक नर्सिंग अधीक्षक हैं और पिछले 22 वर्षों से सेवारत दे रही हैं। गौरतलब है कि नर्सिंग काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा हर साल नर्सों को विभिन्न कैटेगरियों में नेशनल फ्लोरेंस नाइटेंगल अवॉर्ड दिया जाता है। यह पुरस्कार देश भर में नर्सों की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक श्रेणी में सीमित संख्या में नर्सों को दिया जाता है।

पूर्वोत्तर आंचलिक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मुक्केबाज सम्मानित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 नवम्बर । सिक्किम के खेल व युवा मामलों के अधीन खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी के तहत सब-जूनियर मुक्केबाजों द्वारा पहली पूर्वोत्तर आंचलिक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उनके सम्मान में सिक्किम एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन (एसएबीए) द्वारा कल स्थानीय पालजोर स्टेडियम में एक समारोह का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में इन मुक्केबाजों ने तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं। यह प्रतियोगिता 27-30 अक्टूबर को अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में आयोजित की गयी थी।

समारोह में राज्य के खेल व युवा मामलों के विभागीय सचिव राजू बस्नेत ने सभी पदक विजेताओं को सम्मानित किया और उनकी इस उपलब्धि के लिए कोचों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने खेल प्रतिभाओं को तराशने में अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों की भूमिका पर बोलते हुए खिलाड़ियों से खेल क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में सिक्किम ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष कुबेर भंडारी, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्रीमती संध्या गुरूंग, केआईसीई, एचपीएम रेमंत छेत्री, एसएबीए के कार्यकारी सदस्यगण ताशी छिरिंग भूटिया, पम्पू प्रधान, अनोज प्रधान एवं कई अन्य उपस्थित रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त प्रतियोगिता में सिक्किम के लिए रजत पदक जीतने वाले मुक्केबाजों में सिंगताम सावने निवासी अरूण कुमार सापकोटा की पुत्री अश्विनी कुमारी सापकोटा (54-57 किग्रा.), सिंगताम के ही बोरदांग निवासी दिलीप छेत्री की पुत्री करूणा छेत्री (36-38 किग्रा.) और बोरदांग के बेन कुमार सुनदास के पुत्र हरि सुनदास (49-52 किग्रा.) शामिल हैं। वहीं कांस्य पदक हासिल करने वाले मुक्केबाजों में सिंगताम निवासी बाली राम शर्मा के पुत्र युग शर्मा (35-37 किग्रा.), बोरदांग सिंगताम निवासी गिदियोन भुजेल (33-35 किग्रा), गंगटोक के हेमल राई के पुत्र सागर राई (55-58 किग्रा.), बोरदांग के मिथुन सुनार की बेटी दीक्षा सुनार (46-48 किग्रा.) और नामची जिला के माखन सिंह की बेटी प्रियंका कुमारी (34-36 किग्रा.) शामिल रहे। सिक्किम के कुल 14 मुक्केबाजों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था।

राज्य की लड़कियों की टीम की देखरेख कोच राहुल गुरुंग एवं मैनेजर कर्मा (शेष पृष्ठ ०३ पर)

हाट वाले दिन सड़क पर जेसीबी खड़ी रहने से व्यापारियों को हुई असुविधा

मधु शर्मा

गेजिंग, 03 नवम्बर । भले ही देश के संविधान द्वारा सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू है, लेकिन कई बार ऐसा देखा जाता है कि अमीर वर्ग कई कानूनों को अपने अनुसार दबाने की कोशिश करता है। ऐसा ही एक वाकया पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिलान्तर्गत गेजिंग मुख्य बाजार में प्रकाश में आया है जिसका चौतरफा विरोध हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गेजिंग बाजार में दो दिन गुरुवार और रविवार को साप्ताहिक हाट लगती है, जिसमें मुख्य बाजार के बीच में सब्जियों की दुकानें लगती हैं। वहीं कपड़ों एवं जूतों की दुकानें गली में लगती हैं। स्थानीय नियमानुसार अन्य दिनों में यहां सड़क पर वाहनों को पार्क किया जाता है, जबकि हाट वाले दिन वहां से वाहनों को हटा लिया जाता है। वहीं पिछले कुछ दिनों से सब्जी बाजार की सड़क पर एक घर के निर्माण कार्य में खुदाई का काम जोर-शोर से चल रहा है। उसके लिए वहां कई दिनों से एक जेसीबी खड़ी रखी गयी है जिससे हाट व्यवसायियों एवं खरीदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क पर जेसीबी खड़ी होने एवं पत्थरों का ढेर लगा होने के कारण हमें बहुत असुविधा इसलिए हो रही है। संवैधानिक रूप से हमें आज हाट वाले दिन यहां दुकानें लगाने का अधिकार है। ऐसे में प्रशासन द्वारा हाट वाले दिन इस जेसीबी मशीन को सड़क से क्यों नहीं हटाया गया।

जब हमारे प्रतिनिधि ने इस मुद्दे पर गेजिंग नगरपालिका से सम्पर्क किया तो उन्होंने घर निर्माण कार्य तथा उसके लिए नगर पंचायत से अनुमति लेने की जानकारी नहीं होने की बात कही।

उन्होंने कहा कि नियमानुसार नगर पंचायत इलाके में मकान बनाने के लिए एक ब्लू प्रिंट प्राप्त करना होता है। इस मामले में बिल्डरों ने नगर पंचायत से अनुमति नहीं ली है, इसलिए उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि यह मकान कौन बना रहा है।

बहरहाल भले ही जिला प्रशासन से अनुमति ली गई हो, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि हाट वाले दिन सड़क पर जेसीबी मशीन कैसे नहीं हटाई गई। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि नियमानुसार प्रशासन की ओर से बाजार के अंदर लोडिंग-अनलोडिंग के लिए समय सीमा सुबह 9 बजे निर्धारित की गई है, लेकिन यहां दिन भर लोडिंग की जाती है। ऐसे में उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से इसमें हस्तक्षेप करने करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देश का कानून सभी के लिए समान होना चाहिए। ऐसे में इस प्रकार का पक्षपातपूर्ण कार्य अस्वीकार्य है।

फ्रांस से मोटरसाइकिल पर सिक्किम पहुंचे पियरे कॉर्नेट

अब तक कर चुके हैं 16 देशों की यात्रा

सुजल प्रधान

गंगटोक, 03 नवम्बर । आमतौर पर जिसे करने के बारे में कोई कई बार सोचेगा, वह दुस्साहस सुदूर यूरोपीय देश फ्रांस के एक युवक ने कर दिखाया है। फ्रांस के 36 वर्षीय एक व्यक्ति पियरे कॉर्नेट ने अपनी मोटरसाइकिल से अकेले ही एक प्रकार से पूरे विश्व को नाप दिया है। छह महीने पहले अपनी यह यात्रा शुरू करने के बाद पियरे वर्तमान में सिक्किम पहुंचे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरोना महामारी में अपना व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होने के बाद पियरे कॉर्नेट ने व्यवसाय बंद कर और मोटराइकिल से विश्व यात्रा पर निकल गये। छह महीनों में 16 देशों की यात्रा करने के बाद भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करते हुए अब वह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचे हैं।

इस अवसर पर आज यहां पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए पियरे कॉर्नेट ने कहा, दुर्भाग्य से पश्चिमी देशों और मीडिया में भारत के बारे में बड़ी गलत धारणाएं हैं। मैं अपने यूट्यूब पेज के माध्यम से इन्हें बदलने की कोशिश कर रहा हूं और दिखा रहा हूं कि भारत एक खूबसूरत देश है। उन्होंने बताया कि अब तक 16 देशों को पार करते हुए 36000 किमी की यात्रा उन्होंने पूरी कर ली है।

कॉर्नेट ने आगे बताया कि फ्रांस से वे मोटरसाइकिल से अन्य यूरोपीय देशों को पार करते हुए पाकिस्तान पहुंचे और वहां बाघा बॉर्डर के रास्ते उन्होंने भारत में प्रवेश किया। इससे पहले वह नेपाल भी गए थे। अपने यात्रा अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में सड़कें अच्छी हैं। वह लद्दाख, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान से भारत में प्रवेश करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ा।

वहीं अपनी आगामी योजनाओं के बारे में कॉर्नेट ने कहा कि एक सप्ताह तक सिक्किम में रहने के बाद वह असम से होते हुए पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करेंगे। सिक्किम में रहने के दौरान उन्होंने दक्षिण सिक्किम के देऊ दामथांग निवासी होमस्टे मालिक भाईजी शेरपा के आतिथ्य की सराहना की। कॉर्नेट वहां एक रात रुके थे।

पीठासीन अधिकारी को मतदान की पूरी प्रक्रिया की जानकारी होना आवश्यक : तुषार निखारे

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 नवम्बर । आसन्न पंचायत चुनाव को लेकर पीठासीन और मतदान अधिकारियों-1 के तीसरे व अंतिम चरण के और मतदान अधिकारी 2-5 के पहले एवं अंतिम चरण के प्रशिक्षण का आज स्थानीय ताशी नामग्याल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजन किया गया। इस अवसर पर गंगटोक जिला चुनाव पर्यवेक्षक श्रीमती किंचो डोमा लेप्चा प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित रहीं। वहीं दूसरे दिन के इस प्रशिक्षण प्रक्रिया का संयोजन सहायक रिटर्निंग अधिकारी सह गंगटोक एडीसी तुषार निखारे ने किया। इस दौरान सहायक कलेक्टर सह प्रशिक्षु अधिकारी गिरधारीलाल मीणा भी उपस्थित थे।

आज प्रशिक्षण के दूसरे दिन पीठासीन अधिकारियों के नेतृत्व में टीम सदस्यों के 50 समूहों ने भाग लिया। इसमें पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों ने ईवीएम पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया और अपने टीम सदस्यों को सीलिंग प्रक्रिया से (शेष पृष्ठ ०३ पर)

खड़गे ने बताए 8 संकल्प, बोले- परिवर्तन के लिए केवल कांग्रेस पार्टी ही विकल्प

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात में विधानभा चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे लेकर ट्वीट किया और गुजरात कांग्रेस की तरफ से 8 संकल्पों के बारे में बताया।

गुजरात में विधानसभा चुनाव की तारीखों का गुरुवार को ऐलान हो गया है, 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा। गुजरात में हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसंबर को मतगणना होगी। कांग्रेस ने गुजरात चुनाव से पहले जनता के लिए 8 वायदे किए हैं। इनमें सिलेंडर के दाम, बिजली, नौकरी आदि शामिल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 7 करोड़ गुजराती बहन-भाई परिवर्तन के लिए केवल कांग्रेस को विकल्प मानते हैं। गुजरात के 8 संकल्प के तौर पर हमें 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, 300 यूनिट तक बिजली फ्री, 10 लाख रुपये तक का इलाज व दवाइयां मुफ्त और किसानों का 3 रुपये लाख तक कर्ज माफ करेंगे।

इसके साथ ही सरकारी नौकरियों में कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम बंद और 300 रुपये बेरोजगारी भत्ता, 3 हजार सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल, को-ऑपरेटिव सोसायटी में दूध पर 5 रुपये लीटर सब्सिडी और कोरोना से जान गंवाने वाले 3 लाख लोगों के परिवार को 4 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के मुताबिक, कोई भी मतदाता अगर कोई शिकायत करना चाहता है। किसी उम्मीदवार या पार्टी द्वारा उसे प्रभावित किया जाता है, तो वह सीधे तौर पर मोबाइल फोन से चुनाव आयोग में शिकायत कर सकता है। शिकायत के 60 मिनट में टीम गठन करके 100 मिनट में शिकायत का समाधान किया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि, गुजरात विधानसभा चुनाव में 3,24,422 नए मतदाता इस बार पहली बार मतदान करेंगे. कुल मतदान केंद्र की संख्या 51,782 है. राज्य में स्थापित मतदान स्थलों में से कम से कम 50 फीसदी मतदान केंद्र पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक, 142 मॉडल पोलिंग स्टेशन. 1274 पोलिंग स्टेशन ऐसे होंगे, जिनमें सिर्फ महिलाओं की तैनाती की जाएगी। इस बार शिपिंग कंटेनर भी पोल बूथ के रूप में होंगे यूज।

गुजरात में 1 और 5 दिसम्बर को दो चरणों में वोटिंग, 8 को हिमाचल के साथ आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। भारत निर्वाचन आयोग ने गुजरात के विधानसभा चुनावों की तारीख घोषित कर दी है। गुजरात में 1 और 5 दिसम्बर को दो चरणों में 182 विधानसभा सीटों पर चुनाव कराया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इस बात की जानकारी दी है। गुजरात में दो चरणों में 1 और 5 दिसम्बर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसम्बर को की जाएगी। पहले चरण में 1 दिसम्बर को 89 विधानसभा सीट और 5 दिसम्बर को दूसरे चरण में 93 विधानसभा सीटों पर मतदान कराया जाएगा। वहीं पहले चरण में नामांकन भरने की अंतिम तारीख 14 नवंबर रखी गई है। वहीं दूसरे चरण में नामांकन भरने की अंतिम तारीख 17 नवम्बर होगी।

गुजरात में कुल 4,90,89,765 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता 2,53,36,610 और 2,37,51,738 महिला मतदाता शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 18 फरवरी को समाप्त हो रहा है। अब चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए आदर्श आचार संहिता भी गुरुवार से लागू हो जाएगी। इससे पहले आयोग ने हिमाचल प्रदेश चुनाव की तारीखों के साथ गुजरात चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की थी। आयोग ने 14 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी, जो 12 नवम्बर को एक चरण में होगा और मतों की गिनती दोनों राज्यों में 8 दिसंबर को होगी। गौरतलब है कि गुजरात में पिछले बार 2017 में भी 2 चरणों में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव के बाद भाजपा ने वहां सरकार बनाई थी।

विजय माल्या से लंबे समय तक नहीं हुई कोई बात : एससी में माल्या के वकील

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रत्यर्पण का सामना कर रहे व्यवसायी विजय माल्या के वकील ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह लंबे समय से उनसे बातचीत नहीं कर रहा है। उन्होंने अदालत से दरख्वास्त की कि उन्हें इस मामले में माल्या का प्रतिनिधित्व करने से उन्हें मुक्त कर दिया जाय।

जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ और हिमा कोहली ने वकील से कोर्ट की रजिस्ट्री को माल्या का ईमेल और यूके में रहने का पता देने को कहा। वकील ने कहा कि वह माल्या के इस मामले से मुक्त होना चाहते है, क्योंकि उन्हें माल्या की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है।

शीर्ष अदालत ने वकील को भगोड़े के लिए अपना कानूनी प्रतिनिधित्व वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दी। पीठ को बताया गया कि शीर्ष अदालत ने भारत में माल्या की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार को कदम उठाने का भी निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत भारतीय स्टेट बैंक के साथ एक मौद्रिक विवाद के संबंध में माल्या द्वारा दायर एक याचिका पर विचार कर रही थी।

जुलाई में, सुप्रीम कोर्ट ने माल्या को 2017 में अदालत की अवमानना के लिए चार महीने के कारावास की सजा सुनाई। उस पर अदालत से जानकारी छिपाने का आरोप था। शीर्ष अदालत ने माल्या को 40 मिलियन अमरीकी डॉलर जमा करने का भी आदेश दिया था, जिसे उन्होंने अदालत के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अपने परिवार के सदस्यों को हस्तांतरित कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने कहा था, इन परिस्थितियों में, कानून को बनाए रखने के लिए अवमानना करने पर पर्याप्त दंड देना चाहिए और आवश्यक निर्देश भी पारित करने चाहिए, ताकि अवमानना करने वाले या उसके अधीन दावा करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त लाभ शून्य हो जाएं।

पीठ ने कहा कि माल्या को अपने आचरण के लिए कभी कोई पछतावा नहीं है। उसने कोई माफी नहीं मांगी। कोर्ट ने उस पर चार महीने की सजा और 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसमें कहा गया है कि अगर तय समय के भीतर जुर्माने की राशि जमा नहीं की जाती है, तो माल्या को दो महीने की और सजा भुगतनी होगी।

सत्येंद्र जैन को जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट देने का आरोप, गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके ऊपर आरोप है कि वह जेल अधिकारियों से मिलीभगत कर अनुचित तरीके से वीआईपी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक अब इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, तिहाड़ जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन पर आरोप है कि वह जेल के अंदर वीआईपी ट्रीटमेंट का फायदा उठा रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में इस मामले में सीसीटीवी फुटेज कोर्ट को सौंपा था। फुटेज में सत्येंद्र जैन को जेल के अंदर मालिश कराते हुए देखा गया है। इसके अलावा जेल अधिकारियों से मिलीभगत कर कई और सुविधाओं का लाभ उठाने का भी आरोप है।

सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले की एक रिपोर्ट ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी सौंपी थी। इसी के बाद दिल्ली के मुख्य सचिव से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी गई है। अगर सत्येंद्र जैन पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं, तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

गौरतलब है कि आप नेता सत्येंद्र जैन मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी हैं। उन्हें इस साल मई में गिरफ्तार गिया गया था, तब से ही वह जेल में बंद हैं।

प्रदूषण की समस्या के निदान के लिए न सरकार गंभीर न जनता : वरुण गांधी

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। भाजपा लोकसभा सांसद वरुण गांधी ने दिल्ली-एनसीआर में विकराल होती जा रही प्रदूषण की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि प्रदूषण की समस्या लगातार विकराल होती जा रही है, दिल्ली एनसीआर धुआं-धुआं हो गई है, लेकिन इस विकराल समस्या के निदान के लिए न तो सरकार गंभीर है और न ही जनता।

वरुण गांधी ने प्रदूषण की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए ट्वीट कर कहा, दिल्ली एनसीआर धुआं-धुआं है! अस्पताल सांस, दिल और फेफड़े के मरीजों से भरे पड़े हैं। हर परिवार जिसे मैं जानता हूं वहां कोई न कोई खांसी, जुकाम और जकड़न से जूझ रहा है।

विकराल होती जा रही प्रदूषण की समस्या के समाधान के प्रति सरकार और जनता, दोनों के ही रवैये की आलोचना करते हुए वरुण गांधी ने आगे कहा, इस विकराल समस्या के निदान के प्रति न सरकार गंभीर है न जनता। कहीं पराली, कहीं पटाखे, अपनों को ही जहर परोसना बंद करिए।

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का स्तर लगातार खराब होता जा रहा है। लगातार जहरीली होती जा रही हवा में लोगों का दम घुट रहा है लेकिन इसे लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। भाजपा इसे दिल्ली और पंजाब दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी की विफलता बताते हुए अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान, दोनों के इस्तीफे की मांग कर चुकी हैं तो वहीं दिल्ली सरकार और पंजाब के मुख्यमंत्री मान पराली जलने की घटना में हुई बढ़ोतरी के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार बता रहे हैं।

इस बीच प्रदूषण के मोर्चे पर केजरीवाल सरकार पर नाकामी का आरोप लगाते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी गुरुवार को जंतर-मंतर पर अन्ना हजारे की फोटो के सामने उपवास पर बैठने जा रहे हैं।

भारतीय सेना ने नई लड़ाकू वर्दी का आईपीआर दर्ज किया

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक द्वारा भारतीय सेना का स्वामित्व स्थापित करने के लिए नए छलावरण पैटर्न और बेहतर लड़ाकू वर्दी के डिजाइन के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। भारतीय सेना के सैनिकों के लिए नई डिजिटल पैटर्न लड़ाकू वर्दी का अनावरण 15 जनवरी 2022 (सेना दिवस) पर किया गया था। बेहतर वर्दी में एक समकालीन रूप और कार्यात्मक डिजाइन है। कपड़े को हल्का, मजबूत, सांस लेने योग्य, जल्दी सुखने और पहनने में आसान बनाया गया है। महिलाओं की लड़ाकू वर्दी के लिए लिंग विशिष्ट संशोधनों को शामिल करने से वर्दी की विशिष्टता स्पष्ट होती है।

गुरुवार को मंत्रालय ने कहा, डिजाइन और छलावरण पैटर्न के अनन्य बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) अब पूरी तरह से भारतीय सेना के पास हैं, और इसलिए किसी भी विक्रेता द्वारा निर्माण किया जाता है जो अधिकृत नहीं है वह अवैध होगा और कानूनी नतीजों का सामना करने के लिए उत्तरदायी होगा। भारतीय सेना डिजाइन के अनन्य अधिकारों को लागू कर सकती है और एक सक्षम अदालत के समक्ष नागरिक कार्रवाई के माध्यम से उल्लंघन के मुकदमे दायर कर सकती है। उल्लंघन के खिलाफ उपचार में अंतरिम और स्थायी निषेधाज्ञा के साथ-साथ हर्जाना भी शामिल है। नए पैटर्न की वर्दी की शुरूआत की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट (सीएसडी) के माध्यम से कुल 50,000 सेट पहले ही खरीदे जा चुके हैं और 15 सीएसडी डिपो (दिल्ली, लेह, बीडी बारी, श्रीनगर, उधमपुर, अंडमान और निकोबार, जबलपुर, मासीमपुर, नारंगी, दीमापुर, बागडोगरा, लखनऊ, अंबाला, मुंबई और खड़की) को वितरित किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), दिल्ली के प्रशिक्षकों के समन्वय से विशिष्ट डिजाइन के अनुसार नई वर्दी की सिलाई में नागरिक और सैन्य दर्जी को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

व्यक्तिगत किट (15 महीने के जीवन के साथ जीवन चक्र अवधारणा) के हिस्से के रूप में जेसीओ और ओआरएस को जारी करने के लिए 11.70 लाख सेट की थोक खरीद प्रगति पर है और अगस्त 2023 से शुरू होने की संभावना है।

वी मैक्स बेस्ट इन वैल्यू पोस्ट-पेड के साथ आता है

सिलीगुड़ी, 03 नवम्बर। भारत के अग्रणी टेलीकॉम ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया (वी) ने आज देश में वी मैक्स - द बेस्ट इन वैल्यू पोस्टपेड प्लान लॉन्च करने की घोषणा की - जो डिजिटल युग में मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक डेटा, अधिक नियंत्रण, अधिक सुविधा और बेजोड़ कंटेंट की पेशकश करता है।

वीबमैक्स पोस्ट पेड प्लान अधिक डेटा प्रदान करते हैं, जिसमें अद्वितीय नाइट अनलिमिटेड फीचर, व्यापक ओटीटी लाभ और बहुत कुछ शामिल हैं, वी की नई पोस्ट पेड रेंज उपयोगकर्ता के हाथों में अपनी क्रेडिट सीमा निर्धारित करने के विकल्प के साथ अधिक नियंत्रण प्रदान करती है, वी स्टोर्स और कस्टमर केयर में प्रायोरिटी सर्विस के माध्यम से अधिक सुविधा भी प्रदान करती है।

अपने नाम के अनुरूप, वी मैक्स पिछली पीढ़ी के पोस्टपेड योजनाओं के समान मूल्य के लिए अधिक मूल्य प्रदान करता है। नए वी मैक्स प्रस्ताव के बारे में बोलते हुए अवनीश खोसला, सीएमओ, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा, विभिन्न डिजिटल पेशकशों का बड़ा गुलदस्ता, जो डोमेन विशेषज्ञों के साथ गहन-एकीकृत साझेदारी के परिणामस्वरूप तैयार किया गया है, अब सभी वी मैक्स पोस्टपेड उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगा जो उन्हें डिजिटल युग में फलने-फूलने में मदद करेगा।

रिलायंस रिटेल ने सिलीगुड़ी में अपने नए फैशन स्टोर का स्वागत किया

सिलीगुड़ी, 03 नवम्बर। भारत के सबसे बड़े रिटेलर रिलायंस रिटेल ने सिलीगुड़ी में अपने नवीनतम फैशन स्टोर फॉरमेट - फैशन फैक्ट्री के शुभारंभ की घोषणा की। तेरहवें फैशन फ़ैक्टरी स्टोर का उद्घाटन स्टेशन फीडर रोड पर किया गया था-जो एक आदर्श शॉपर्स डेस्टिनेशन हब है। सिलीगुड़ी के फैशन-प्रेमी, ब्रैंड-जागरूक और छूट प्राप्त करने वाले खरीदारों के लिए डिज़ाइन किया गया।

फैशन फैक्ट्री देश में विशिष्ट रूप से उच्च फैशनेबल अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रैंडों के एक विभेदित वर्गीकरण के साथ महान कीमतों पर स्थित है। एक ही छत के नीचे सभी फैशन की जरूरतों को पूरा करने के लिए, यह 'ब्रैंड्स फॉर लेस' की पेशकश करने वाला वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन होगा, जिसमें फैशन 365 दिन, 20 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक की छूट और सर्वश्रेष्ठ ब्रैंड होंगे।

लेविस, पेपे, स्पाईकर, प्यूमा, ली कूपर, बफेलो, विशुद्ध, हूर, पार्क एवेन्यू, सृष्टि, वीआईपी, स्काईबैग्स, जॉन प्लेयर्स, भारतीय गैराज, लॉमैन, इंटीग्रिटी रेमंड और बहुत कुछ; सहित 200 से अधिक ब्रैंडों के विकल्प के साथ सिलीगुड़ी के खरीदार अब वैश्विक फैशन ट्रेंड्स को बनाए रखने के लिए तत्पर हैं और यहाँ पूरे परिवार के लिए 20000 से अधिक स्टाइल विकल्प - दैनिक पहनने से लेकर पार्टियों, त्योहारों और शादियों तक के लिए कुछ ना कुछ मौजूद है।

पार्टी बताएगी 'क्रिमिनल' के अलावा कोई और उम्मीदवार क्यों नहीं मिला : राजीव कुमार

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। गुजरात चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग ने क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले उम्मीदवारों को लेकर बड़ी तैयारियां की हैं। आयोग ने साफ कर दिया है कि उम्मीदवार और पार्टी दोनों को ही अपराधों से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक तौर पर दिखानी होंगी। भारत निर्वाचन आयोग का कहना है इसके जरिए मतदाताओं को पता लगेगा कि केवल क्रिमिनल बैकग्राउंड के लोग ही पार्टी को मिल सके।

आयोग की तरफ से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पहले अपराध में शामिल रह चुके उम्मीदवारों को प्रचार के दौरान तीन बार अखबारों और टीवी चैनल्स के जरिए प्रकाशित करनी होगी। साथ ही क्रिमिनल बैकग्राउंड के उम्मीदवार को उतारने वाली पार्टी कोभी प्रत्याशी के बारे में जानकारी अपनी वेबसाइट, अखबारों और चैनलों पर तीन बार दिखानी होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि अगर कोई क्रिमिनल बैकग्राउंड है, तो उम्मीदवार को अनिवार्य रूप से उसकी जानकारी एक राष्ट्रीय, एक क्षेत्रीय और सोशल मीडिया पर प्रकाशित करनी होगी। साथ ही दलों को यह भी बताना होगा और पब्लिश भी करना होगा कि उन्हें क्रिमिनल के अतिरिक्त कोई और उम्मीदवार क्यों नहीं मिला। उन्हें कारण बताने होंगे और उसे सार्वजनिक करना होगा, ताकि मतदाताओं को पता रहे कि उस क्षेत्र में उम्मीदवार खोजने पर पार्टी को इतनी मुश्किल क्यों हुई।

भारत निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नामांकन वापस लेने की तारीख के शुरुआती चार दिनों के दौरान जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। इसके बाद दूसरी बार अगले 5 से 8 दिनों के अंदर और चुनाव से दो दिन पहले तीसरी बार प्रकाशित करनी होगी।

गुरुवार को आयोग ने चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इसके तहत राज्य की 182 सीटों वाली विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 89 सीटों पर वोटिंग 1 दिसंबर को होगी। जबकि, मतदाता दूसरे चरण में 93 सीटों पर 5 दिसंबर को वोट डालेंगे। मतगणना हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसंबर को होगी। पहाड़ी राज्य में 12 नवंबर को मतदान होगा।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को जमानत देने से हाईकोर्ट का इनकार

रांची, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। मनरेगा की योजनाओं में घोटाले के जरिए अवैध कमाई और मनी लांड्रिंग मामले में लगभग साढ़े पांच माह से जेल में बंद निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत याचिका गुरुवार को खारिज कर दी है। जस्टिस संजय द्विवेदी की बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट से जमानत देने की गुहार लगाई थी। पिछले कुछ दिनों से वह न्यायिक हिरासत में रिम्स रांची में इलाजरत हैं। गौरतलब है कि बीते 6 मई को ईडी ने पूजा सिंघल के आवास और उनसे जुड़े दो दर्जन से भी ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान उनके पति के सीए सुमन कुमार के ठिकानों से 19 करोड़ से ज्यादा नकद बरामद किये गये थे। इस मामले में पूछताछ के बाद ईडी ने 11 मई को पूजा सिंघल को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद ईडी ने उन्हें रिमांड पर लेकर कई दिनों तक पूछताछ की थी।

बाद में बीते 5 जुलाई को ईडी ने पूजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा, सीए सुमन सिंह, खूंटी जिला परिषद के तत्कालीन कनीय अभियंता रामविनोद सिन्हा, तत्कालीन सहायक अभियंता राजेंद्र जैन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता जयकिशोर चौधरी, खूंटी विशेष प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता शशि प्रकाश के खिलाफ भी मनी लाउंड्रिंग की धारा 3, 4 और पीसी एक्ट की संगत धाराओं के तहत 200 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

राजनाथ सिंह की रैली में लोग मांगने लगे पीओके, हंसकर बोले- धैर्य रखें

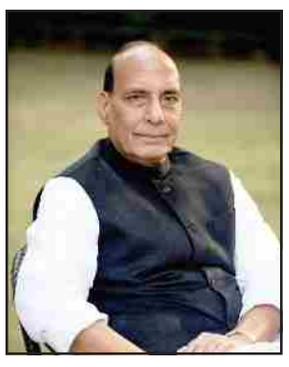

शिमला, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई बार पीओके को लेकर पाकिस्तान को चेताया है। शौर्य दिवस के मौके पर उन्होंने कहा था कि जबतक गिलगित-बाल्टिस्तान तक विकास नहीं पहुंचता कश्मीर का विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि पाकिस्तान पीओके के लोगों पर अत्याचार कर रहा है। अब कि जब हिमाचल प्रदेश में राजनाथ सिंह रैली करने पहुंचे तो जनसभा में पहुंचे लोग ही पीओके मांगने लग गए। इसपर हंसते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, धैर्य रखिए।

राजनाथ सिंह की रैली में लोग 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे। उन्होंने कहा, हमने ऐसे ऐसे वीर सैनिकों को देखा है जो कि जरूरत पड़ने पर अब भी सीमा पर जाने के लिए तैयार रहते हैं। इतने में भीड़ में से आवाज आई, 'पीओके चाहिए पीओके।' इस पर राजनाथ सिंह भी अपनी हंसी रोक नहीं पाए। उन्होंने धैर्य रखने की अपील की। बता दें कि पीओके को लेकर राजनाथ सिंह के बयान के बाद सेना की भी प्रतिक्रिया आ चुकी है। चिनार कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला ने कहा था, भारतीय सेनाएं हमेशा तैयार हैं और अगर हमें पीओके हासिल करने का आदेश मिला तो हम पीछे नहीं हटेंगे।

बता दें कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ आवाज उठती रहती है। वहीं चीन जिस सीपीईसी प्रोजेक्ट को लेकर इतना उतावला दिखता है , उसका भी विरोध पीओके में होता है। भारत भी इस प्रोजेक्ट का विरोध करता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर तो इस बीआरआई प्रोजेक्ट को लेकर एससीओ बैठक में चीन और पाकिस्तान को लताड़ लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को किसी की संप्रभुता और अखंडता का नुकसान नहीं करना चाहिए।

बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, हमारे देश का ही हिस्सा है जो कि जम्मू-कश्मीर से लगता है और इस समय पाकिस्तान के कब्जे में है। बंटवारे के बाद पाकिस्तान ने गलत तरीके से यहां कब्जा कर लिया था। कबीलाई विद्रोहियों को मोहरा बनाकर पाकिस्तान ने यह साजिश की थी। यह दो भागों में बंटा हुआ है जिसे गिलगित और बाल्टिस्तान के नाम से जाना जाता है।

सूरजभान सिंह ने बढ़ा दी अनंत सिंह की टेंशन, कहा- मोकामा में खिलेगा कमल

पटना, 03 नवम्बर (का.सं.)। बिहार के दो विधानसभा सीटों, मोकामा और गोपालगंज में आज गुरुवार को मतदान संपन्न हो गया और प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। अब 6 नवंबर को इन दोनों सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। इस बीच पूर्व बाहुबली सांसद सूरजभान सिंह ने एक बड़ा बयान देकर सूबे की राजनीति को गरमा दी है। सूरजभाजन सिंह ने चिराग पासवान की जमकर तारीफ की और देश का बड़ा नेता करार दे दिया।

गुरुवार को सूरजभान सिंह मोकामा उपचुनाव में मतदान करने पहुंचे। मतदान करने के बाद सूरजभान सिंह ने दावा करते हुए कहा कि मोकामा में कमल खिलेगा और हरहाल में भाजपा की जीत होगी।

इस बीच एक वेब पोर्टल से बातचीत के दौरान सूरजभान सिंह ने कहा कि चिराग पासवान के आने से पूरे देश में बदलाव आता है तो फिर मोकामा उससे बाहर थोड़ी है। चिराग पासवान की तारीफ करते हुए सूरजभान सिंह ने ये कहा कि चिराग पूरे देश के दलितों के लीडर हैं।

भाजपा उम्मीदवार सोनम देवी के प्रचार का मोर्चा सूरजभान सिंह ने थामा था। वहीं चिराग पासवान को भी भाजपा ने अपने खेमे में कर लिया और चिराग भी भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में सड़क पर उतरे और रोड शो किया।

बता दें कि राजद ने इस बार बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को उम्मीदवार बनाया है। मोकामा में इस बार राजद व भाजपा में सीधी टक्कर है। भाजपा उम्मीदवार सोनम देवी ललन सिंह की पत्नी हैं। ललन सिंह को सूरजभान सिंह का करीबी बताया जाता है। मोकामा में पिछले 18 साल से अनंत सिंह का कब्जा है। वहीं सूरजभान सिंह इस क्षेत्र के बड़े नेता हैं। विधायक और सांसद बनकर उन्होंने विधानसभा से लेकर संसद तक का सफर यहां से तय किया है।

बीजेपी भारी बहुमत से गुजरात में सरकार बनाएगी : जे.पी. नड्डा

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। आज चुनाव आयोग ने गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जिसके अनुसार गुजरात में दो चरणों में मतदान होगा। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव आयोग के निर्णय का स्वागत किया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा का स्वागत किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उनकी पार्टी भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी और फिर सरकार बनाएगी।

निर्वाचन आयोग की ओर से चुनावी तारीखों की घोषणा के बाद नड्डा ने एक ट्वीट में कहा, चुनाव आयोग द्वारा गुजरात विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से गुजरात में पुन: डबल इंजन की सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी।

गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में, एक और पांच दिसंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती हिमाचल प्रदेश के साथ ही आठ दिसंबर को होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की।

गुजरात की कुल 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में 89 सीटों पर और दूसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान होगा।

भाजपा ने गुजरात में पिछले छह विधानसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज की है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 99 सीट जीती थीं जबकि कांग्रेस को 77 सीट मिली थीं। प्रतिशत के लिहाज से देखा जाए तो उस चुनाव में भाजपा को 49.05 प्रतिशत मत मिले थे जबकि कांग्रेस को 42.97 प्रतिशत मत मिले थे।

मोकामा-गोपालगंज में राजद ने किया जीत का दावा, कहा- बीजेपी की हार तय

पटना, 03 नवम्बर (का.सं.)। राजद ने मोकामा और गोपालगंज विधानसभा उपचुनाव में जीत का दावा किया है। पार्टी प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि चुनाव में भाजपा कहीं नहीं टिकी। दोनों क्षेत्रों के मतदाताओं में महागठबंधन उम्मीदवार के समर्थन में जबरदस्त उत्साह का माहौल था। जबकि भाजपा समर्थकों में मायूसी छाई हुई थी। आज के मतदान में सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि महागठबंधन उम्मीदवार को सभी वर्गों और समुदायों का समर्थन मिला है। भाजपा को तो अपनी हार का एहसास दो दिन पहले ही हो गया था जिसका असर उनके नेताओं के बयानों में दिखाई पड़ रहा था।

प्रवक्ता एजाज अहमद ने दावा किया कि मोकामा एवं गोपालगंज विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन उम्मीदवार भारी बहुमत से जीत रहे हैं। चुनाव के दौरान भाजपा की पोल खुल गई। यह सामने आ गया कि भाजपा के पास न कोई नेतृत्वकर्ता है और न जनसमर्थन है। सिर्फ फर्जी आंकड़ों के सहारे भाजपा जुमलाबाजी करके लोगों को गुमराह करती रही है।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं लोक लेखा समिति के सभापति तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि मोकामा और गोपालगंज विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित है। कहा कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों में संपन्न हुए इस उपचुनाव में मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा है। खासकर के युवा और महिला मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी सरकार के विकासवादी एजेंडे को प्रमुखता देते हुए वोट किया है।

सोरेन ने ईडी से मांगा 3 सप्ताह का समय

रांची, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। अवैध खनन मामले में ईडी के समन पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हमलावर रुख अख्तियार कर लिया है। वह गुरुवार को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए।

सोरेन ने अपने आवास के बाहर इकट्ठा हुए झामुमो के हजारों कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सीधी चुनौती दी कि अगर हमने कोई गुनाह किया है तो समन क्यों भेजते हो, पूछताछ क्यों करते हो, हमें सीधा गिरफ्तार करके दिखाओ।

भाजपा पर बड़ा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग राजनीतिक तौर पर हमारा मुकाबला नहीं कर सकते तो हमें ईडी और सीबीआई का डर दिखाया जा रहा है। हमने इस राज्य के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को उनका हक दिया तो साजिश के तहत हमें फंसाने की कोशिश की जा रही है। ऐसी साजिशों का राज्य की जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। ये लोग हमारी सरकार का बाल भी बांका नहीं कर सकेंगे।

झारखंड के अलग-अलग जिलों से आए लगभग सात-आठ हजार कार्यकर्ता पार्टी झंडों और तीर-धनुष एवं परंपरागत हथियारों के साथ मोरहाबादी मैदान में इकट्ठा हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में कांके रोड स्थित सीएम आवास पहुंचे। सीएम ने अपने आवास से बाहर निकलकर सड़क पर जमा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा पर भी बड़ा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि विरोधियों को यह पच नहीं रहा कि आदिवासी दलित झारखंड चला रहे हैं। आज रायपुर में आदिवासी महोत्सव पर हमारा कार्यक्रम पहले से तय था और इस दिन ईडी ने हमें न्योता भेज दिया। इन्हें लगता है कि ये हमें जेल भेजेंगे तो हम डर जायेंगे। अगर हमने जेल भरो आंदोलन शुरू कर दिया तो इतने लोग है कि जेल में जगह कम पड़ जायेगी। जेएमएम पार्टी ऐसे संघर्षों और परिस्थितियों से तपकर और मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि ये जिस तरह की राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश कर रहे हैं, उसे जला देंगे। ईडी कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है, भाजपा दफ्तर की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। क्या इन्हें झारखंडियों से डर लगता है। हमारी विरोधी पार्टी के लोग कभी राजभवन में तो कभी ईडी आफिस में रात बिताते हैं।

केंद्रीय एजेंसियों की साख पर सवाल उठाते हुए सोरेन ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार के अनेक मामले हैं, लेकिन सीबीआई-ईडी वहां कोई कार्रवाई नहीं करती। क्या भाजपा में जाने से सारे पाप धुल जाते हैं?

उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्य में हुए सभी चार-पांच उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ हो जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, कार्यकर्ता जाकर गांव- गांव में संदेश दें। सरकार के काम से विरोधी घबरा गये हैं। मैंने सुना है कि विपक्ष के लोग धरना प्रदर्शन करेंगे ऐसे लोगों की पहचान कीजिए कौन लोग हैं जो धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। समय आने पर इन्हें सबक सिखायेंगे। हमारी पार्टी पिछले 40 सालों से लड़ रही है। हम राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे।

मोरबी हादसे पर खुद को पाक-साफ साबित करे गुजरात सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात में मोरबी पुल हादसे की जांच को लेकर सवाल खड़े करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गुजरात सरकार लापरवाही भरी जांच की प्रक्रिया पर खुद को पाक-साफ साबित करे। गुजरात के मोरबी में एक पुल के रविवार को गिर जाने से 135 लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने ट्वीट किया, 'मोरबी पुल की मरम्मत नहीं हुई थी। पुल को फिटनेस प्रमाणपत्र और आधिकारिक संतुति के बिना खोला गया। ठेकेदार इस योग्य नहीं था कि उसे काम दिया जाए। नगरपालिका प्रमुख को पता था कि पुल को खोला गया है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, '130 से अधिक लोगों की मौत हो गई, लेकिन ठेकेदारों और नगरपालिका अधिकारियो के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह लापरवाही ईश्वर की मर्जी से हुई घटना (एक्ट ऑफ गॉड) है?' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री को सुनिश्चित करना चाहिए कि गुजरात सरकार लापरवाही भरी जांच को लेकर खुद को पाक-साफ साबित करे।'

बिहार में डेंगू का कहर जारी, पटना में सभी रिकॉर्ड टूटे

पटना, 03 नवम्बर (का.सं.)। बिहार में छठ पर्व के गुजरने के बाद डेंगू मरीजों की संख्या में भले कमी आई हो लेकिन अभी भी डेंगू का कहर जारी है। पटना सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में डेंगू मरीज मिल रहे हैं। इस साल सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो डेंगू ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

एक साथ इतने डेंगू के मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग भी सकते में हैं। बताया जाता है कि डेंगू के मरीज मिलने के बाद उसके घरों के आसपास एंटी लार्वा की फॉगिंग कराई जा रही है।

सरकारी आंकड़े स्वास्थ्य विभाग के हैं, जबकि हकीकत यह है कि निजी अस्पतालों में भी काफी संख्या में बुखार से पीड़ित मरीज उपचार करा रहे हैं, जिसमें डेंगू के संदिग्ध लक्षण हैं। कई मरीज घर में ही रहकर इलाज करा रहे हैं।

पटना जिले में डेंगू बीमारी का प्रकोप इतना अधिक है कि इसने अपना बीते छह साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। साल 2016 से 2021 के बीच वर्ष 2019 में 2905 मरीज मिले थे, जिसका रिकॉर्ड जिले में 10 दिन पहले ही टूट चुका है। अब तक जिले में 5529 डेंगू के नये मरीज मिल चुके हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भी पटना जिले में रोजाना 100 से अधिक नये मरीज चिह्नित किये जा रहे हैं। पटना के अस्पतालों पीएमसीएच, आइजीआइएमएस, एनएमसीएच के डेंगू वार्ड में अभी भी डेंगू के मरीज भर्ती हैं।

पटना के सिविल सर्जन डॉ के के राय का कहना है कि वर्तमान में डेंगू के मामले मिल रहे हैं, लेकिन संख्या में अब कमी आ रही है। चिकित्सकों का मानना है कि मौसम में ठंडक के बढ़ने के बाद मरीजों की संख्या में कमी आयेगी।

पीठासीन अधिकारी को .....

अवगत कराया। वहीं इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी तुषार निखारे ने प्रशिक्षण में सभी नामित अधिकारियों उपस्थित होने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी अपने मतदान केंद्रों के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें मतदान प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी होना चाहिए। साथ ही एआरओ ने टीम सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें मतदान वाले दिन सतर्क रहने को कहा। उनके अनुसार 9 नवम्बर को सुबह छह बजे डिस्पैच का शेड्यूल अधिसूचित किया जाएगा। ऐसे में उन्होंने उस दिन टीम को एक बार अपने मतदान क्षेत्र में पहुंच कर पीठासीन अधिकारियों को नियंत्रण कक्ष को रिपोर्ट करने को कहा।

साथ ही निखारे ने पीठासीन अधिकारियों को 10 नवंबर को मतदान वाले दिन मॉक पोल के तुरंत बाद नियंत्रण कक्ष को रिपोर्ट करने, सुबह से लेकर मतदान बंद होने तक हर दो घंटे में कॉल कर सूचना देने और प्रक्रिया के बाद मशीनों को सील कर उन्हें सिचे जिला प्रशासनिक केंद्र में सुरक्षित जमा करने के निर्देश दिये। इस दौरान एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी गयी। यह प्रशिक्षण 4 नवम्बर 2022 को जारी रहेगा।

पूर्वोत्तर आंचलिक बॉक्सिंग .....

ग्याल्छेन भूटिया और लड़कों की टीम की देखरेख कोच प्रवीण लिम्बू ने की। वहीं प्रतियोगिता में प्रीतम शिलाल एवं सुश्री लाक्पा डोमा शेर्पा ने रेफरी एवं जज के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। दूसरी ओर राज्य के खिलाडियों के इस प्रदर्शन पर अर्जुन पुरस्कार विजेता जसलाल प्रधान ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामंग और एसवाईए मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा को खेल भावना के प्रोत्साहन हेतु एसएबीए तथा खेल व युवा मामलों के विभाग को निरंतर समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया।

नलिनी की समय से पहले रिहाई की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही नलिनी श्रीहरन की समय से पहले रिहाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 11 नवंबर के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया क्योंकि वह एक आंशिक सुनवाई के मामले में व्यस्त था। तमिलनाडु सरकार ने पहले राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों श्रीहरन और आरपी रविचंद्रन की समय से पहले रिहाई का समर्थन करते हुए कहा था कि उनकी उम्रकैद की सजा के लिए 2018 की सलाह राज्यपाल पर बाध्यकारी है।

दो अलग-अलग हलफनामों में राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि 9 सितंबर, 2018 को हुई कैबिनेट की बैठक में उसने मामले में सात दोषियों की दया याचिकाओं पर विचार किया था और राज्यपाल से अपनी शक्तियों का प्रयोग करके उनकी आजीवन कारावास की सजा में छूट की सिफारिश की थी। श्रीहरन, रविचंद्रन, संथन, मुरुगन, एजी पेरारिवलन, रॉबर्ट पायस और जयकुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है और उन्होंने 23 साल से अधिक समय जेल में बिताया है।

राज्य सरकार ने कहा था कि वह अनुच्छेद 161 के तहत श्रीहरन और रविचंद्रन द्वारा दायर याचिका पर निर्णय लेने के लिए सक्षम है और 9 सितंबर, 2018 को राज्य कैबिनेट का निर्णय अंतिम है और राज्यपाल इसे मान सकते हैं।

श्रीहरन 30 साल से अधिक समय से वेल्लोर में महिलाओं के लिए एक विशेष जेल में बंद है, जबकि रविचंद्रन मदुरै के केंद्रीय कारागार में बंद हैं और उसे 29 साल की कारावास और छूट सहित 37 साल की कैद हुई है। शीर्ष अदालत ने 26 सितंबर को श्रीहरन और रविचंद्रन की समय से पहले रिहाई की मांग वाली याचिका पर केंद्र और तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा था। दोनों ने मद्रास हाई कोर्ट के 17 जून के एक आदेश को चुनौती दी है, जिसने उनकी जल्द रिहाई के लिए याचिका खारिज कर दी थी, और सह-दोषी पेरारिवलन की रिहाई के आदेश देने वाले शीर्ष अदालत के फैसले का हवाला दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि केन्या में भारतीय दूतावास एक महिला को उसके पति से उसके बेटे की कस्टडी हासिल करने में हर संभव सहायता प्रदान करे, जिसने यहां हिरासत की लड़ाई में न्यायपालिका के साथ धोखाधड़ी की थी। भारतीय मूल के केन्याई नागरिक पेरी कंसाग्रा को शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को पहले ही अवमानना के लिए दोषी ठहराया है, क्योंकि उसने अपनी अलग पत्नी से अपने बेटे की कस्टडी हासिल करने और आश्वासन के बावजूद शीर्ष अदालत में वापस नहीं लौटा था।

मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में पूर्व में सुरक्षा के तौर पर जमा किए गए कुल एक करोड़ रुपये में से 25 लाख रुपये महिला को सात दिनों के भीतर जारी करने का आदेश दिया ताकि कानूनी कार्रवाई की जा सके। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि पीठ ने आदेश में कहा कि केन्या में भारतीय दूतावास केन्या में बच्चे की कस्टडी दिलाने में हर संभव मदद करनी होगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:101 DrawDate on:03/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 87E 02053
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 02053 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
27724 35858 58070 67026 68740 70498 78427 83522 84454 96761
3rd Prize ₹450/-
0703 1425 1573 2211 2826 3720 6337 7166 7388 9944
4th Prize ₹250/-
1412 2275 2626 2671 5276 5806 6926 8184 9081 9110
5th Prize ₹120/-
0036 0582 0605 0645 0646 0811 0939 0973 1075 1102
1229 1273 1504 1565 1569 1696 1741 1858 1885 1973
2027 2110 2142 2278 2297 2354 2365 2605 2606 2713
2725 2787 3093 3131 3192 3382 3431 3501 3612 3918
4183 4230 4251 4329 4409 4513 4699 4778 4951 4971
5047 5136 5175 5238 5296 5350 5370 5443 5467 5571
5577 6042 6317 6518 6606 6678 6790 7002 7004 7006
7054 7087 7094 7295 7325 7330 7422 7454 7477 7587
7773 7802 8089 8109 8129 8267 8305 8612 8658 8867
9040 9114 9218 9316 9555 9665 9675 9896 9909 9991
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:101 DrawDate on:03/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 98B 01544
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 01544 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02383 03843 12427 16951 21188 42558 65767 68045 78135 99488
3rd Prize ₹450/-
1707 2952 3018 3402 4108 4846 8603 9021 9207 9999
4th Prize ₹250/-
0253 3884 4535 4958 5111 6088 6808 6912 9164 9741
5th Prize ₹120/-
0181 0391 0422 0545 0766 0816 0870 1017 1065 1093
1370 1414 1684 1807 1961 2027 2244 2513 2588 2614
2676 2725 2807 2809 2949 3016 3175 3176 3429 3481
3562 3723 3997 4012 4030 4235 4362 4396 4494 4552
4553 4591 4638 4893 4951 5048 5178 5499 5507 5550
5919 5945 5982 6242 6243 6297 6316 6365 6402 6424
6653 6723 6748 6801 6911 6929 7002 7106 7244 7250
7259 7435 7537 7542 7706 7707 7754 7766 7803 7808
7908 8137 8199 8232 8472 8933 9055 9059 9137 9186
9197 9237 9398 9446 9506 9512 9540 9544 9688 9911
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:201 DrawDate on:03/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 53H 15613
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 15613 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16768 21370 29896 31266 34303 46547 49000 62024 80978 85279
3rd Prize ₹450/-
0221 0824 2939 4666 5151 5250 8288 8501 8635 8693
4th Prize ₹250/-
1031 1038 1133 1432 4807 7109 9220 9448 9663 9686
5th Prize ₹120/-
0010 0053 0210 0302 0304 0309 0346 0458 0534 0554
0663 0794 0816 0859 0876 0972 1050 1207 1234 1387
1515 1594 1755 1768 1822 1854 1886 1907 2018 2140
2182 2260 2277 2304 2511 2526 2547 2594 2610 2800
2913 3143 3388 3872 3912 4140 4228 4341 4428 4435
4582 4784 4786 4830 4916 4955 5060 5277 5291 5355
5395 5413 5782 6108 6112 6114 6404 6445 6479 6597
6805 6936 7037 7153 7253 7288 7297 7381 7470 7605
7616 7665 7677 7727 7953 7970 8028 8103 8108 8238
8287 8423 8570 8581 8591 8616 9030 9493 9730 9773
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

मुनाफे का दबाव

ट्विटर के नए मालिक इलॉन मस्क ने कहा है कि सोशल मीडिया कंपनी के यूजर्स अगर ब्लू टिक के रूप में प्रामाणिकता का ठप्पा चाहते हैं तो उन्हें हर महीने 8 डॉलर का शुल्क देना होगा। अभी तक इसके लिए कोई पैसे नहीं लिए जाते थे। इस घोषणा पर सबसे ज्यादा हो हल्ला स्वाभाविक रूप से ट्विटर पर ही हो रहा है, कई लोग खुलकर नाखुशी भी जता रहे हैं, लेकिन मस्क ने साफ कर दिया है कि शिकायत करने वाले करते रहें, पर चार्ज तो देना ही होगा। इस बीच ट्विटर के अंदर से मीडिया में कई और तरह की खबरें भी आ रही हैं। कहा जा रहा है कि वहां कर्मचारियों को रोज 12 घंटे और सातों दिन काम करने का निर्देश दिया गया है। यह भी खबर है कि करीब एक चौथाई कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। वैसे तो जब भी किसी कंपनी का मालिकाना बदलता है, वहां बदलाव होते ही हैं। ट्विटर के मामले में हलचल अगर सामान्य से ज्यादा है तो उसकी वजह कुछ तो इलॉन मस्क की अपनी कार्यशैली है और कुछ इस कंपनी की स्थिति। मस्क अपने फैसलों से ही नहीं, फैसले लेने के ढंग से भी चौंकाते और विवाद पैदा करते रहे हैं। इस तरह मिलने वाली सुर्खियां उन्हें सूट करती हैं। मगर ट्विटर के मामले में सबकुछ पॉजिटिव नहीं है। इसके दुनिया भर में 24 करोड़ यूजर्स हैं जो अन्य सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के मुकाबले काफी कम हैं। इसकी 90 फीसदी से ज्यादा कमाई विज्ञापनों से ही होती है। बहुत से एक्सपर्ट्स मानते हैं कि 44 अरब डॉलर की महंगी डील करके मस्क ने जोखिम मोल लिया है। इस बीच रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ग्लोबल ने डील के बाद ट्विटर का दर्जा घटाकर बी कर दिया है जिसका कारण कर्ज में बढ़ोतरी को बताया गया है।

जाहिर है, इलॉन मस्क पर इस सौदे को कामयाब बनाने का दबाव है। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि वह तीन साल के अंदर ट्विटर को मुनाफे में ले आएंगे। यह भरोसा बना रहे इसके लिए जरूरी है कि हालात उस तरफ बढ़ते दिखाई देने लगें। इलॉन मस्क के ताजा कदम इसी जरूरत से प्रेरित लगते हैं। लेकिन एक कंपनी और उसके प्रबंधन से अलग हटकर देखें तो ट्विटर की एक वैश्विक भूमिका भी है। उस लिहाज से यह भी देखना होगा कि ब्लू टिक से जुड़ी नई पॉलिसी का ट्विटर अकाउंट्स की प्रामाणिकता पर किस तरह का असर होता है। एक निश्चित राशि के बदले दिया जाने वाला ब्लू टिक क्या अकाउंट होल्डर की विश्वसनीयता की वैसी ही गारंटी माना जा सकेगा, जैसी अब तक माना जाता है? हेट स्पीच से जुड़े मसले भी अपनी जगह हैं ही। कुल मिलाकर देखना होगा कि मस्क अपने इस बिजनेस वेंचर से कितना मुनाफा कमाते हैं और इस मंच को कितना बेहतर, कितना पॉजिटिव रूप दे पाते हैं।

भूख, रैंकिंग विवाद और आंकड़ों में खामियां

शंकर अय्यर

हमेशा ग्लोबल रैंकिंग का दोतरफा प्रभाव होता है। या तो उससे खुश हुआ जाता है, उस पर मुहर लगाई जाती है,या उसे खारिज किया जाता है। पिछले महीने ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी हुआ। कुल 121 देशों के इस इंडेक्स में भारत 107वें नंबर पर है। इसके जारी होते ही राजनीतिक क्षोभ उमड़ पड़ा, क्योंकि इसमें युद्ध जर्जर यूक्रेन 36वें और हिंसाग्रस्त श्रीलंका तो 64वें पायदान पर हैं ही, हमारे पड़ोसी देशों में से नेपाल 81वें, बांग्लादेश 84वें और पाकिस्तान 99वें पायदान पर हैं। भारत उन देशों से भी पीछे है, जो भारत से अनाज लेते हैं!

शीर्षक से लेकर कार्य प्रणाली संरचना तक इस इंडेक्स पर कई सवाल उठते हैं। इसके चार में से तीन मानक बच्चों के स्वास्थ्य पर फोकस करते हैं। बेशक नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़े कुपोषण और उसके असर के बारे में बताते हैं। पर बच्चों में पोषण की स्थिति के आधार पर पूरी आबादी के पोषण के बारे में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। और जहां तक इस इंडेक्स के चौथे मानक अल्पपोषण के अनुपात का सवाल है, तो 1.4 अरब की आबादी वाले देश में मात्र 3,000 लोगों से बात कर आंकड़ा तैयार किया गया।

ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सरकार ने इस रैंकिंग को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 'इसमें भूख की माप गलत सूचनाओं के आधार पर की गई है।' ग्लोबल रैंकिंग जारी करने वाली संस्थाओं और भारत के बीच विवाद का यह पहला उदाहरण नहीं है, न ही आखिरी होने वाला है। मौजूदा विवाद का कारण सांख्यिकीय आंकड़ों की कमी और अपर्याप्त डाटा संग्रह है, जिसने केंद्र और राज्य सरकारों को क्षुब्ध किया है। रैंकिंग्स के बारे में जनता की प्रतिक्रिया इस पर निर्भर करती है कि उसे तथ्य की कितनी जानकारी है, कितनी नहीं है, और जिसके बारे में जानकारी नहीं है, उस बारे में भी वह कितना जानती है।

विडंबना यह है कि अपने यहां बदतर डाटा संग्रह और व्यवस्थागत अक्षमता ने त्रुटिपूर्ण रैंकिंग के वैज्ञानिक अध्ययन की कोशिश को भी, ताकि इसके जवाब में सही तथ्य रखे जाएं, मुश्किल बना दिया है। प्रबंधन गुरु पीटर ड्रकर की मशहूर उक्ति है, 'जिसे मापा जाता है, उसमें सुधार आता है।' भारत अपनी शासन नीति और अर्थनीति में डाटा संग्रह लागू करने वाले शुरुआती देशों में से था। इसके बावजूद करीब सात दशक बाद देश में आंकड़ों का परिदृश्य गंभीर रूप से त्रुटिपूर्ण है। भारत इकलौती बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो अपने नागरिकों की आय के बारे में जानने के लिए उपभोग को आधार बनाती है।

वर्ष 2021 में राज्यों का कुल जीएसडीपी देश की जीडीपी से अधिक था। ऐसे में, सवाल है कि देश में क्या मापा जाता है और क्या नहीं। यह भी कि यह कैसे और कब होता है। भूख का ही मुद्दा लीजिए। भारत फिलहाल खाद्य सुरक्षा के दो कार्यक्रम चलाता है- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत सब्सिडाइज्ड अनाज योजना और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दिया जाने वाला मुफ्त राशन। कुल 80 करोड़ लोगों यानी आबादी के 75 प्रतिशत को इनका लाभ मिलता है। क्या लोग दोनों योजनाओं का लाभ उठाते हैं?

इन दोनों योजनाओं के तहत जो अनाज दिए जाते हैं, क्या किसी भी स्तर पर उसे मापा जाता है? क्या लाभार्थियों का सर्वेक्षण हुआ है? ठोस आंकड़े ही देश-दुनिया को पोषण और कुपोषण के बारे में बता पाएंगे। हालांकि तब भी रैंकिंग के विवादास्पद होने की आशंका रहेगी। भारत स्वाभाविक ही खुद को सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताते हुए गर्व महसूस करता है। महीने में औसतन 1.4 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह को हमारी आर्थिक ताकत का उदाहरण बताया जाता है। पर क्या इससे सारा कुछ पता चलता है?

जीएसटी के आंकड़ों का अगर विश्लेषण किया जाए, तो इससे राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादन और उपभोग का, वस्तुओं और सेवाओं में संबंधों और अलगाव का, एमएसएमई क्षेत्र के प्रदर्शन का पता चल सकता है। पर यह विश्लेषण होना अभी बाकी है। बेरोजगारी पर चिंतित होने के बजाय रोजगार सृजन हमारे राजनेताओं की गर्वोक्ति का कारण बनता है। केंद्र और राज्य सरकारें बुनियादी ढांचे पर लाखों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। निश्चित तौर पर ये इसका आकलन करने में समर्थ हैं कि कितना रोजगार सृजन हुआ।

केंद्र, राज्य, नगरपालिकाओं और दूसरे स्थानीय निकायों में रोजगार के लिए पद सृजित किए जाते हैं। ऐसे में, हर साल संसद को क्यों नहीं सूचित किया जाता कि कितने पद सृजित किए गए, कितने पद खाली हैं और कितने लोगों को रोजगार मिला? अपने यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा अस्थायी कामगारों या स्वरोजगार वालों का है। इनकी गणना के लिए नियमित सर्वेक्षण जरूरी है। आखिरी बार एनएसएस-रोजगार-बेरोजगारी का सर्वे 2011-12 में हुआ था। हालांकि हमारे यहां आवधिक श्रम बल सर्वे होता है।

यह सर्वे कब होता है, क्या इसमें ग्रामीण आबादी को शामिल किया जाता है, और यह अर्थव्यवस्था के बारे में क्या बताता है? दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था अगर रोजगार का स्पष्ट आंकड़ा देने में लड़खड़ाती है, तो यह गंभीर मामला है। मानव विकास संकेतकों के मामले में डाटा संग्रह में दरार और अक्षमता कहीं ज्यादा दिखती है, और राज्यों के मामले में यह दरार ज्यादा स्पष्ट और दयनीय है। जैसे कि 10 राज्यों में कुल 25 फीसदी बच्चों का जन्म दर्ज ही नहीं होता। राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 11 फीसदी है।

जहां तक मृत्यु का मामला है, गृह मंत्रालय के मुताबिक, 86 फीसदी मृत्यु दर्ज होती है, हेल्थ सर्वे के अनुसार, 71 प्रतिशत मृत्यु दर्ज की जाती है, जबकि जनसंख्या के रिकॉर्ड (एमसीसीडी, 2020) के मुताबिक, सिर्फ 54.6 फीसदी मृत्यु का चिकित्सीय प्रमाणन होता है! कोरोना महामारी स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर राज्यों के लिए चेतावनी होनी चाहिए थी। पर क्या हम जानते हैं कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में कितने नए डॉक्टरों की भर्ती हुई है? कितने नए अस्पताल बने हैं?

महामारी में बच्चे और शिक्षक दो साल तक स्कूल नहीं जा सके। क्या हम जानते हैं कि तमाम राज्यों के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के कितने पद खाली हैं? जाहिर है, डाटा संग्रह के भू-दृश्य को पुनर्गठित करने की जरूरत है, ताकि इसका बेहतर विश्लेषण किया जा सके कि विभिन्न मोर्चे पर यह देश कहां खड़ा है, और कहां पहुंचना चाहता है।

पटरी पर लौटेगी ब्रिटिश अर्थव्यवस्था?

अश्विनी महाजन

आर्थिक संकट से जूझ रहे इंग्लैंड के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालते ही भारतीय मूल के ऋषि सुनक के समक्ष यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि वह इस संकट का क्या हल निकालेंगे। पिछले महीनों में 27 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट के साथ 26 सितंबर, 2022 तक डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड इतिहास में अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद पिछले एक महीने में 6.5 प्रतिशत तक बेहतर हुआ है। इंग्लैंड का विदेशी मुद्रा भंडार आज मात्र कुछ हफ्तों के आयातों के लिए ही पर्याप्त है।

अर्थव्यवस्था में अगस्त माह तक जीडीपी में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हो चुकी थी, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमानों के अनुसार भी 2023 में जीडीपी में अधिक से अधिक 0.3 प्रतिशत की ही वृद्धि अपेक्षित है। पिछले माह ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में महंगाई की दर 10.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी थी और यूक्रेन युद्ध के चलते तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण ईंधन की कीमतें तीन गुना तक बढ़ चुकी हैं। ऐसे में सर्दियों में ब्रिटेनवासी मुश्किलों का सामना करने के लिए बाध्य होंगे।

माना जा रहा है कि 30 प्रतिशत इंग्लैंड वासियों की बचत समाप्त हो चुकी है और सरकारी कर्ज भी, जीडीपी के 95 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जो एक रिकॉर्ड है। प्रधानमंत्री बनते ही ऋषि सुनक ने कहा कि गंभीर संकट में फंसी अर्थव्यवस्था का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगा। पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में उन्होंने कहा कि गलतियां हुई हैं, लेकिन उनकी नीयत पर शक नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने बजट में लोगों को महंगाई से राहत देने के लिए सरकारी करों में भारी रियायत देने की योजना प्रस्तुत की थी।

उनका कहना था कि इससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी और लोगों को महंगाई से राहत। उन्होंने 45 अरब पाउंड की टैक्स कटौती की बात की थी। लेकिन बाजारी शक्तियों ने इसे सही कदम नहीं माना और बाजार में अस्थिरता व्याप्त हो गई, जिससे वित्तीय मंदी के हालात पैदा हो गए। बढ़ती महंगाई के बीच करों में कटौती और उसके लिए जरूरी कर्ज लेने की अनिवार्यता के कारण बाजार ने सरकार की साख काफी नीचे गिरा दी और बॉन्डों की कीमत काफी घट गई।

इसका मतलब यह था कि यदि सरकार अपने खर्चे पूरे करने के लिए ज्यादा ऋण लेना चाहे, तो वह बहुत अधिक ब्याज दर पर मिलेगा, जिससे भविष्य में सरकार की ब्याज की देनदारी बढ़ जाएगी। केवल सरकारी ऋण ही नहीं, अर्थव्यवस्था की रिकवरी भी बढ़ती ब्याज दरों के कारण मुश्किल हो गई है। आम जनता बढ़ती कीमतों के कारण पहले ही घटती क्रयशक्ति से जूझ रही है। महंगाई ने मध्यम वर्ग का बजट पहले से ही बिगाड़ दिया है। ऐसे में मॉर्टगेज कंपनियों की वसूली भी प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है।

इससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सेहत पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में ऋषि सुनक के ऊपर दायित्व आ गया है कि वह ब्रिटेन की डूबती नाव को पार लगाएं। हालांकि 17 नवंबर को जब वह अपनी आर्थिक नीतियों का खुलासा करेंगे, तभी स्थिति ज्यादा स्पष्ट हो सकेगी। टैक्स घटाने, खर्च बढ़ाने और उधार लेने की नीति के प्रबल विरोधी सुनक मानते हैं कि यह कंजर्वेटिव सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और इसे समाजवाद ही कहा जाएगा। सुनक की योजना है कि उधार टैक्स को वर्तमान 20 पैसे प्रति पाउंड से घटाकर 16 पैसे प्रति पाउंड किया जाए (20 प्रतिशत कटौती)।

2024 तक आयकर को एक प्रतिशत घटाया जाए, घरेलू ईंधन बिल में कटौती हो और कॉरपोरेट टैक्स को 2023 तक बढ़ाया जाए। बाजारों की स्वीकार्यता की दृष्टि से सुनक की योजना लिज ट्रस की नीतियों से बेहतर दिखाई देती है। देखना होगा कि वह अपनी योजना को वास्तविकता का जामा कैसे पहनाते हैं! लेकिन इसमें दो राय नहीं कि सुनक के लिए आने वाला समय चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ उन्हें ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को संभालना है, तो दूसरी ओर लेबर पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण कंजरवेटिव पार्टी के लिए जन समर्थन को भी बरकरार रखना है।

बोल्सिनारो की हार, ब्राजील की जीत

के. विक्रम राव

क्यों हारे ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सिनारो। केवल दो मुद्दों की उपेक्षा के कारण। पर्यावरण तथा कोविड पर ध्यान नहीं दिया।

पचास लाख वर्ग किमी. के जैविक पिंड क्षेत्र अमेजन को अपार विध्वंस से नहीं बचा पाए। बिना मास्क के खूद घूमते थे। अपने अनुयायियों को नहीं बताते थे कि मास्क आवश्यक है। नतीजतन, पांच लाख लोग मर गए। कोविड ने ब्राजील को ग्रस लिया। भारत से प्राप्त कोवैक्सिन का उपयोग भी नहीं कर पाए। नरेन्द्र मोदी ने उन्हें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी, 2020) पर विशेष अतिथि बनाया था। तब वे स्वामी नारायण मन्दिर के दर्शन के लिए भी गए थे।

नये राष्ट्रपति कौन जीते? पुराने सोशलिस्ट इग्नेशिया लूला डी सिल्वा बने। वे जेल भी काट आए। क्रान्तिकारी रहे। सड़क के किनारे जूता पॉलिश करते थे। धातु कारखाने की श्रमिक यूनियन के अगुवा बने। अपने दल का नाम रखा वर्कर्स पार्टी। फौजी तानाशाह से भिड़े, यातनाएं और कारावास भुगता। दो बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। लोकतंत्र स्थापित किया। सर्वप्रथम योजना चलाई छात्रों की पढ़ाई को विकसित करने के लिए। स्कूल में मध्यान्ह भोजन रखवाया। विश्व में सर्वाधिक ताकतवर अमेरिकी साम्राज्यवाद से लोहा लेकर लूला ने समतामूलक ब्राजील बनाया। विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय जननायक बने। फिर मोटरकार उद्योगपतियों के कुसंग की वजह से अकूत धन बटोरने के आरोप में सजा भुगती। जेल गए।

ब्राजील के सविधान में प्रावधान है कि वहां कोई भी दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं बन सकता। यही वजह रही कि लूला को लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से संवैधानिक तरीके से रोका गया। तब उन्होंने अपनी कैबिनेट की चीफ रह चुकीं रूसेफ का नाम प्रस्तावित किया। 2003 में डिलमा रूसेफ को राष्ट्रपति लूला की सरकार में ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया गया था। 2005 से 2010 तक उन्होंने चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी काम किया। पहले किसी भी निर्वाचित पद पर नहीं रहीं 62-वर्षीय डिलमा रूसेफ ने वादा किया था कि वे लूला के रास्ते का अनुसरण करेंगी।

1947 मे जन्मीं रूसेफ के पिता बुल्गारिया के अनिवासी वकील और व्यवसायी थे। उनकी मां ब्राजील की एक स्कूल टीचर थीं। रूसेफ का झुकाव विद्यार्थी जीवन से ही समाजवाद की तरफ हो गया। उन्होंने 1965 से 1985 तक ब्राजील में रहे सैनिक शासन का विरोध किया था। 1970 से 1972 तक जेल में रहीं। इस दौरान उन्हें बिजली के झटके तक दिए गए। जेल से छूटने के बाद उन्होंने अर्थशास्त्र की पढ़ाई की और सिविल सेवा मे आ गई। 2005 से वे निवर्तमान राष्ट्रपति लूला के शासन में चीफ ऑफ स्टाफ रहीं।

रूसेफ को उनके कुछ समर्थक आयरन लेडी की उपाधि भी देते हैं। विजयी राष्ट्रपति लूला के प्रतिद्वंद्वी पूर्व फौजी बोल्सिनारो बहुत घृणास्पद बातें करते थे। इस राष्ट्रपति ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि पुरुष-महिला के समान वेतन वाले नियम का वे खात्मा चाहते हैं। कारण : महिला गर्भधारण करती है। छुट्टी ले लेती है। उनके आकलन में अरब देश तथा अफ्रीकी राष्ट्र मानवता की संचित गंदगी हैं। झाड़ना चाहिए। ब्राजील की सेना से रिटायर निवर्तमान राष्ट्रपति सैनिक शासन के हिमायती हैं। वह हत्या, विरोधी हैं, मगर तड़पा कर मृत्यु देने के पक्षधर हैं। फांसी को दोबारा कानून बनाना चाहते हैं।

बोल्सिनारो को ब्राजील का डोनाल्ड ट्रंप माना जाता है। वह नारी-द्वेषी हैं। उनके दो पुत्र हैं। तीसरी संतान बेटी है, जिसे वह मेरे कमजोर क्षणों की देन कहते हैं। उनकी दृढ़ मान्यता है कि सेक्युलर गणराज्य की अवधारणा ही बेहूदी है, फिजूल है। ईश्वर सर्वोपरि हैं। उनकी मां ने उनका नाम रखा जायुर मसीहा बोल्सिनारो क्योंकि वह मानती रहीं कि जीसस क्राइस्ट ने उनके पुत्र को भेजा है। पूर्व राष्ट्रपति कहते हैं कि यदि अठारह-वर्ष से कम का व्यक्ति बलात्कार आदि घृणित अपराध करता है, तो उसे बालिग की भांति दंड मिले। इस पर विपक्षी सांसद तथा पूर्व मानवाधिकार मंत्री मारिया डी रोजारियो ने बोल्सोनारो को रेपिस्ट कहा।

मगर राष्ट्रपति का प्रत्युत्तर था : मारिया तो बलात्कार लायक भी नहीं हैं। तब अदालत ने उन्हें छह माह की सजा दी और दस हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया।

बोल्सिनारो का मानना है कि हिंसा शासन का अनिवार्य अंग है। एक टीवी इंटरव्यू में वे बोले कि ब्राजील को विकसित बनाना है, तो तीस हजार लोगों को गोली से उड़ा देना चाहिए। इसकी शुरुआत समाजवादी नेता प्रो. फर्नांडो हेनिरख कार्डेसो से हो। यह नेता ब्राजील के 34वें राष्ट्रपति थे। समाजशास्त्र के निष्णात थे। मगर अब हार गए। लूला जीते। ब्राजील बच गया।

दक्षिणायन राजनीति

राजकुमार सिंह

राजनयिक से राजनेता बने शशि थरूर को भारी अंतर से हरा कर 80 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे 137 साल पुरानी कांग्रेस के 98वें अध्यक्ष तो बन गए हैं पर उनकी असली परीक्षा अब होगी।

इसलिए नहीं कि 24 साल के अंतराल के बाद कोई गैर-गांधी कांग्रेस की कमान संभाल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि देश की सबसे पुरानी यह राजनीतिक पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार दो लोक सभा चुनाव और दर्जन भर से भी ज्यादा विधानसभा चुनावों में शर्मनाक पराजय से उपजी निराशा और हताशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिस गांधी परिवार को कांग्रेस का स्वाभाविक नेतृत्व माना जाता रहा, उसी पर जी-23 ने बाकायदा पत्र लिख कर सवाल उठाए। जी-23 के अग्रणी नेता गुलाम नबी आजाद ने तो पहले ही राहुल गांधी पर सीधा हमला बोलते हुए जम्मू-कश्मीर में अपनी अलग डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी बना ली पर गांधी परिवार ने खड़गे को अध्यक्ष चुनवा कर परिवारवाद और आंतरिक लोकतंत्र, दोनों बिंदुओं पर आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की है।

बेशक, खड़गे की प्रचंड जीत गांधी परिवार के आशीर्वाद का ही परिणाम रही पर उनके पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस डेलीगेट्स अपनी जिम्मेदारी-जवाबदेही से मुंह नहीं चुरा सकते। राजनीति की सामान्य समझ रखने वाला भी जानता था कि नया अध्यक्ष गांधी परिवार का विस्त ही होगा। अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद के मोह में जैसे रंग बदले, उसके बाद तो यह और भी जरूरी था कि कांग्रेस के साथ स्वयं भी साख के संकट से गुजर रहा गांधी परिवार किसी तरह का जोखिम न उठाए। इसीलिए अंतिम क्षणों में खड़गे पर दांव लगाया गया। परिवार का आशीर्वाद खड़गे को मिला तो उसके मूल में भावी राजनीति की रणनीति भी खोजी जा सकती है। दलित समुदाय से आने वाले खड़गे पिछला लोक सभा चुनाव हारने से पहले कर्नाटक के गुलबर्गा से लगातार 10 बार जीत भी चुके हैं।

पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस में चुनावी जीत का ऐसा रिकॉर्ड रखने वाले नेता ज्यादा नहीं हैं पर खड़गे को चुनने का यही कारण नहीं है। विधानसभा चुनावों के संदर्भ में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा को अपवाद मान लें तो उत्तर भारत से कांग्रेस लगभग लुप्त हो चुकी है। बिहार और झारखंड में भी थोड़ी-बहुत बची है तो राजद, जदयू और झामुमो से गठबंधन की बदौलत। नहीं भूलना चाहिए कि यही उत्तर भारत भाजपा का मुख्य शक्ति केंद्र भी है। उत्तर भारत के 10 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों : उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर से 180 लोक सभा सांसद चुने जाते हैं। 2019 के लोक सभा चुनाव में इनमें 122 सीटें भाजपा की झोली में गई। भाजपा को उत्तर भारत से कितनी जबर्दस्त शक्ति मिलती है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उसने 50 प्रतिशत मत हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश की 80 में से 62 लोक सभा सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट तक सिमट गई। स्वयं राहुल गांधी अमेठी से हार गए। उन्हें ऐसी आशंका रही होगी, तभी शायद वह केरल के कोट्टायम से भी लोक सभा चुनाव लड़े, और जीत भी गए।

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भाजपा से 2018 के विधानसभा चुनावों में सत्ता छीन ली थी लेकिन चंद महीने बाद हुए लोक सभा चुनाव में पासा पलट गया। हरियाणा में कांग्रेस खाता तक नहीं खोल पाई। इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में जैसी प्रचंड जीत हासिल की है, उसके मद्देनजर वहां भी कांग्रेस की राह दुष्कर हो गई है। संभव है कि नीतीश कुमार की महागठबंधन में वापसी से बिहार के चुनावी समीकरण कुछ बदल जाएं पर उसमें कांग्रेस की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बना कर कांग्रेस ने दक्षिण भारत में अपनी जमीन बचाने और भाजपा का विस्तार रोकने की रणनीति बनाई लगती है। 2019 के लोक सभा चुनाव की ही बात करें तो दक्षिण भारत की कुल 130 सीटों में से भाजपा-नीत राजग के हिस्से 30 सीटें ही आई जिनमें से 25 कर्नाटक से मिलीं। कर्नाटक में लोक सभा की 28 सीटें हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद के घटनाक्रम से तो लगता है कि इस बार भाजपा के लिए कर्नाटक में पुराना प्रदर्शन दोहरा पाना मुश्किल होगा। तमिलनाडु के मतदाता अपने मन का संकेत विधानसभा चुनाव में दे ही चुके हैं। पुडुचेरी और लक्षद्वीप में एक-एक लोक सभा सीट है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय दलों वाईएसआर कांग्रेस और टीआरएस का राज है। वाईएसआर का रुख केंद्र सरकार के प्रति सहयोगात्मक रहा है पर वह भाजपा को राज्य में पैर जमाने देने का जोखिम तो नहीं ही उठाएगी जबकि टीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव तो खुद ही पीएम बनने के लिए विपक्षी ध्रुवीकरण में जुटे हैं। ऐसे में दक्षिण भारत में कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता मिले या नहीं पर वह भाजपा का प्रभाव सीमित करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी
वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्टेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

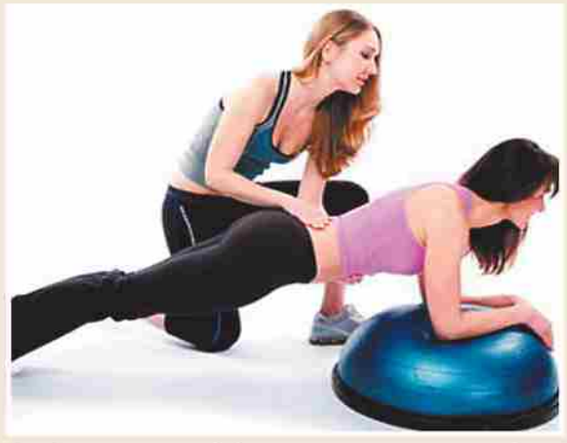

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन
कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

करांटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

करांटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को करांटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करांटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करांटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करांटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करांटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करांटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक करांटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करांटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। करांटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। करांटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल करांटे की ट्रेनिंग देते हैं। 1970 में करांटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) करांटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। करांटे खेल भी, कला भी करांटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करांटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करांटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करांटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करांटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। करांटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करांटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज
में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

सार समाचार

मंगलवार को यूक्रेन पर होगा बड़ा हमला, आम नागरिकों की हो रही हत्या

बुचा (यूक्रेन)। यूक्रेन की सेना ने कहा है कि रूसी सेनाएं मंगलवार को, यूक्रेन के दक्षिण पूर्वी हिस्से पर हमला करने की तैयारी कर रही हैं। वहीं, मास्को के सैनिकों पर आम नागरिकों की हत्या के करने के आरोप के बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करने की तैयारी में हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सरकार यूक्रेन के पूर्व में अपने सैनिकों को भेज रही है ताकि औद्योगिक क्षेत्र डोनबास पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके। इससे पहले राजधानी कीव के आसपास के शहरों से रूस के सैनिक पीछे हटे तो बड़ी संख्या में लाशें पाई गईं जिसके बाद रूस पर युद्ध अपराध का आरोप लग रहा है तथा और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। यूक्रेनी सेना के जनरल स्टाफ ने मंगलवार सुबह कहा कि रूस की सेनाओं का ध्यान दोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्र में पोपासना तथा रुबिज्ने शहरों पर नियंत्रण स्थापित करने पर है। जनरल स्टाफ ने कहा कि रूस मारियुपोल पर भी पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। दोनेत्स्क और लुहांस्क रूस समर्थित अलगावादियों के नियंत्रण में है और मास्को ने उन्हें स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी है। जनरल स्टाफ ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव तक आने-जाने पर पाबंदी है। यूक्रेन की ओर से जारी बयान में कहा गया, ह्यशत्रु अपने सैनिकों को पुनः एकत्र कर रहा है और हमारे देश के पूर्व में आक्रमण करने की तैयारी में है। उनका लक्ष्य दोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना है।

हंगरी: पटरी से उतरी ट्रेन, कई लोगों की हुई मौत; घायलों की संख्या भी ज्यादा

बुडापेस्ट। हंगरी के दक्षिणी हिस्से में मंगलवार को तड़के एक ट्रेन, एक वाहन को टक्कर मारने के बाद पटरी से उतर गई, जिससे कई लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना माइंड्सजेन्ट शहर में सुबह सात बजे से पहले हुई। पुलिस ने बताया कि रेल पटरी पर एक वैन जा रही थी, जिसे ट्रेन ने टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेन पटरी से उतर गई।

मॉस्को आने की सजा भुगत रहे पाकिस्तानी पीएम इमरान खान : रूस

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच रूस की भी एंट्री हो चुकी है। रूस ने इमरान के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा है कि अमेरिका पाकिस्तान की राजनीति में हस्तक्षेप कर रहा है। रूस ने कहा है कि अमेरिका इमरान को मास्को दौरा करने की सजा दे रहा है। दरअसल पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया था कि वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उनकी सरकार को गिराने की 'विदेशी साजिश' में शामिल थे। इस लेकर रूस ने बयान दिया है। रूस ने कहा है कि पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में अमेरिका ने 'बेशर्मी से हस्तक्षेप करने का प्रयास्र किया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने 'अवज्ञाकारी' इमरान खान को दंडित करने की मांग की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस को पता चला है कि राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर 3 अप्रैल को नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। उन्होंने कहा, इस साल 23-24 फरवरी को इमरान की मास्को की कामकाजी यात्रा की घोषणा के तुरंत बाद, अमेरिकियों और उनके पश्चिमी सहयोगियों ने प्रधानमंत्री पर कठोर दबाव डालना शुरू कर दिया था, यात्रा को रद्द करने के लिए एक अल्टीमेटम दिया भी दिया था।' रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, इसके बावजूद वे हमारे यहां आए, तब [लू] ने वाशिंगटन में पाकिस्तानी राजदूत को बुलाकर मांग की कि यात्रा तुरंत बाधित हो। उनकी (लू) मांग को भी खारिज कर दिया गया।' जखारोवा ने कहा, पाकिस्तानी मीडिया की खबरों के मुताबिक इसी साल 7 मार्च को पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद के साथ बातचीत में, एक उच्च पदस्थ अमेरिकी अधिकारी (संभवतः वहीं लू) ने यूक्रेन की घटनाओं पर पाकिस्तानी नेतृत्व की संतुलित प्रतिक्रिया की तीखी निंदा की और स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ साझेदारी तभी संभव है, जब इमरान को सत्ता से हटा दिया जाए।' रूस ने कहा कि अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिकी इसकारण इमरान को सजा दे रहा है। गौरतलब है कि नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष द्वारा विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद यहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए खान ने कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान भी यह पाया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव के जरिये देश की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया था कि अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण एशियाई मामलों को देखने वाले शीर्ष अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड उनकी सरकार गिराने की 'विदेशी साजिश' में शामिल थे। पाकिस्तान के विपक्षी दलों के नेताओं ने खान के आरोप को बेबुनियाद करार दिया जबकि अमेरिका ने आरोपों को खारिज किया।

रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करना आगे भी जारी रखेगा

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण से संबंधित मुद्दों पर रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपने 'वीटो' का इस्तेमाल करना आगे भी जारी रखेगा। सुलिवन ने कहा, चूंकि, रूस यूएनएससी का स्थायी सदस्य है, इसकारण यह कल्पना करना कठिन होगा कि वह किसी भी कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करेगा। यूक्रेन में अत्याचारों के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की कोशिश के दौरान यूएनएससी के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'जहां तक जवाबदेह ठहराने का सवाल है, अतीत में भी इसके रचनात्मक समाधान निकाले गए हैं। हालांकि, मैं यह अनुमान नहीं लगाने जा रहा हूं कि यहां कौन-सा समाधान काम करेगा या कौन-सा मंच इस मुद्दे को उठाने के लिए सही है।' सुलिवन ने जोर दिया कि इन युद्ध अपराधों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए अपराधों के लिए उसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अमेरिका दुनिया के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'हम पहले ही इस निष्कर्ष पर पहुंच चुके हैं कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और बुशा में सामने आया मंजर उसी का सबूत है। जैसा कि राष्ट्रपति (जो बाइडन) ने कहा है, हम इन अपराधों की पूरी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दुनिया के साथ मिलकर काम करेंगे।' अमेरिकी प्रशासन पुतिन और रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर उस पर और प्रतिबंधों लगाने को लेकर भी काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन एक 'युद्ध अपराधी' हैं।

कोलंबो में श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग करते हुए लोग।

आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका से भारत को संदेश, बचा लीजिए हमें मोदी जी

कोलंबो। पड़ोसी मुल्क श्रीलंका के हालात ठीक नहीं हैं। देश के सभी 26 मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक के गवर्नर अजित निवर्ड कैबराल ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि सभी कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफा देने के संदर्भ में मैंने आज राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को गवर्नर, सेंट्रल बैंक के ऑफ श्रीलंका के रूप में अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इसी बीच श्रीलंका के विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुजारिश की है।

साजिथ प्रेमदासा ने पीएम मोदी से आग्रह करते हुए कहा है कि कृपया कोशिश करें और श्रीलंका की यथासंभव मदद करें। प्रेमदासा ने सामाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ये संदेश पहुंचवाया है। विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा कि ये हमारी मदरलैंड है और हमें इसे बचाने की जरूरत है। एएनआई के साथ बातचीत में उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफे को ड्रामा करार दिया है। उन्होंने कहा कि जनता को बेवकूफ बनाने के लिए ये ड्रामा किया जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश को इस राष्ट्रीय संकट से निकालने के लिए समाधान ढूढने के लिए देश के सभी राजनीतिक दलों को मंत्रालय में शामिल होने के लिए कहा है और एक सामूहिक सरकार बनाने की अपील की है। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में लोगों के गुस्से को शांत करने की सरकार की कोशिशों के बीच नए मंत्रिमंडल को जल्द ही शपथ दिलाई जा सकती है।

नेपाल के पीएम देउबा ने भाजपा मुख्यालय जाने पर मचा बवाल तो दी सफाई

काठमांडू (एजेंसी)

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा अपनी सकारात्मक भारत यात्रा के बाद काठमांडू वापस लौट आए हैं। नेपाली पीएम ने भारत यात्रा के दौरान कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया और भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहे जाने वाले शहर वाराणसी का भी दौरा किया। हालांकि इस यात्रा के दौरान शेर बहादुर देउबा के जिस कदम की नेपाल में सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह है भारत में सत्तारूढ़ बीजेपी के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय जाना। देउबा पहले ऐसे नेपाली प्रधानमंत्री हैं जो भारत में किसी राजनीतिक दल के कार्यालय गए हैं। पीएम देउबा के बीजेपी कार्यालय जाने पर देश में विरोध के स्वर उठने लगे और इसे नेपाल के चीन समर्थक वाम दलों से जोड़कर देखा जाने लगा। इसके बाद सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस को सफाई देनी पड़ी है। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खडका ने देउबा के बीजेपी कार्यालय जाने का बचाव किया और कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष के नाते बीजेपी के कार्यालय गए थे। खडका ने कहा, 'देउबा ने बीजेपी के मुख्यालय का दौरा नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष के नाते किया था। वह वहां पर प्रधानमंत्री के रूप में नहीं थे। इस यात्रा का मकसद दोनों दलों के बीच रिश्ते बेहतर बनाना था। नेपाली कांग्रेस दुनिया के अन्य देशों के राजनीतिक दलों से भी इस तरह के संबंधों का विस्तार कर रही है।'

नेपाल में देउबा के हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा के मुख्यालय में जाने पर काफी आलोचना शुरू हो गई थी। कई नेपाली विश्लेषक इससे आश्चर्य में थे और उन्होंने कहा कि यह प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। साल 2018 में केपी ओली के बाद यह किसी नेपाली प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा थी। देउबा ने यह भारत यात्रा ऐसे समय पर की है जब अमेरिका के 50 करोड़ डॉलर की सहायता को मंजूरी दी गई है और चीन के विदेश मंत्री ने नेपाल की यात्रा की है। नेपाल में अब तक का रिवाज रहा है कि सत्ता संभालने के बाद देश का पीएम सबसे पहले भारत की यात्रा पर जाता है। माना जा रहा है कि देउबा ने चीन समर्थक केपी ओली के शासन काल के दौरान खराब हो चुके रिश्तों को सुधारने की कोशिश की है। वहीं उनकी बीजेपी ऑफिस जाने को नेपाल के वाम दलों के चीन दौरे और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ रिश्तों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के कम्युनिस्ट नेता अक्सर चीन जाते रहते हैं। यही नहीं चीनी की कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल के राजनीतिक दलों को ट्रेनिंग भी देती रहती है। विश्लेषकों का कहना है कि अब देउबा ने बीजेपी से दोस्ती बढ़ाकर ओली ओर प्रचंड के साथ-साथ चीन को भी बड़ा संदेश दिया है।

पाकिस्तान के सियासी ड्रामे में सेना की एंट्री का टाइम आ गया? विपक्ष ने आर्मी चीफ बाजवा से की ये खास अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के सियासी संकट पर आज सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई होनी है। लेकिन अब पाकिस्तान की सियासत में नया मोड़ आता दिखाई दे रहा है। विपक्षी दल के नेता की ओर से सेना से मदद मांगी गई है। नवाज शरीफ के भाई और विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ की ओर से पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा से अपील की गई है कि वो पूरे मामले को लेकर दूध का दूध और पानी का पानी करें।

इमरान खान और राष्ट्रपति ने मिलकर संविधान को तोड़ा

पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता शहबाज शरीफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए इमरान सरकार को जमकर निशाने पर लिया है। उन्होंने इमरान खान पर देश को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वो लगातार झूठ बोलते हैं। हम देश में जल्द चुनाव चाहते हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि मुझे अभी भी राष्ट्रपति की ओर से कोई चिट्ठी नहीं मिली है। इमरान खान और राष्ट्रपति ने मिलकर संविधान को तोड़ा है। शरीफ ने कहा कि हम लोग न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन संविधान को बार-बार तोड़ा गया है।

सेना ने कहा- हमारा कोई लेना देना नहीं

पाकिस्तानी सेना और मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति में सेना की किसी भी तरह की भागीदारी से इनकार किया है। प्रधानमंत्री इमरान खान की सलाह पर राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को अस्वीकार करने और नेशनल असेंबली (एनए) के बाद के विघटन पर एक निजी टीवी चैनल से बात करते हुए सैन्य सेना ने ये टिप्पणी की। इफ्तिखार ने कहा। नेशनल असेंबली में जो कुछ हुआ, उससे सेना का कोई लेना-देना नहीं है।

रूस को मानवाधिकार परिषद से निलंबित करने का अमेरिका का आह्वान

बुखारेस्ट (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने सोमवार को कहा कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार निकाय से रूस का निलंबन चाहता है, क्योंकि रूसी सेना ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किए हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास बुका शहर में आम लोगों के खिलाफ हिंसा के बारे में सप्ताहांत आई खबर के मद्देनजर मानवाधिकार परिषद में रूस से उसकी सीट छीनने का आह्वान किया। आम लोगों के खिलाफ हिंसा की खबरें सामने आने के बाद रूस के प्रति काफी आक्रोश जताया जा रहा है और उसकी निंदा की जा रही है। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने एक दिन पहले पड़ोसी मोल्दोवा का दौरा करने के बाद रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम मानते हैं कि रूसी सेना के सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किया है और हम मानते हैं कि रूस को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि कीव के आसपास के शहरों में आम लोगों के 410 शव मिले हैं जिन्हें हाल के दिनों में रूसी सेना से फिर से हासिल किया गया है। अमेरिकी अधिकारी ने मानवाधिकार परिषद में रूस की भागीदारी को एक 'ढोंग' करार दिया और कहा कि यह निकाय की विश्वसनीयता को आहत करता है। रूस को निलंबित करने के किसी भी निर्णय के लिए न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के निर्णय की आवश्यकता होगी। न्यूयॉर्क में, महासभा की प्रवक्ता पॉलिना कुबियाक ने सोमवार को कहा कि इस मुद्दे पर बैठक के लिए अभी तक कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

मैं 'भारत विरोधी' या 'अमेरिका विरोधी' नहीं हूं: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनाव की तैयारी करने के बजाय राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर देखने पर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। रविवार को, नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने प्रधानमंत्री खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने खान की सिफारिश पर निचले सदन को भंग कर दिया था। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। पीएम इमरान ने एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, विपक्षी दल जनता की प्रतिक्रिया से डरते हैं और चुनाव से बचते हैं जिसकी वे मांग कर रहे थे। लोगों से संपर्क बढ़ाने के लिए उन्होंने राजधानी के रेड जोन के ठीक बाहर डी-चौक पर अपने समर्थकों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की घोषणा की। खान ने कहा, '(विपक्षी) नेताओं के राजद्रोह के खिलाफ रात की नमाज के बाद शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।' खान ने नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष सूरी द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह एक विदेशी साजिश पर आधारित था। इमरान ने कहा, मैं चाहता हूं कि यह चलन समाप्त हो जाए कि जिस किसी के पास 20 अरब रुपये हैं वह व्यक्ति सरकार गिरा सकता है। यह अस्वीकार्य है और लोकतंत्र को बदनाम करने के समान है।' उन्होंने आरोप लगाया कि वह लाहौर में प्रांतीय जनप्रतिनिधियों की निष्ठा खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल कर रहा है, जहां विधानसभा इस सप्ताह एक नए मुख्यमंत्री का चुनाव करेगी। नए चुनावों के बारे में बात कर खान ने कहा कि वह सभी उम्मीदवारों का साक्षात्कार लूंगा, जो उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का टिकट चाहते हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में किसी देश के खिलाफ होने की धारणा को खारिज किया। उन्होंने कहा, मैं किसी देश के खिलाफ नहीं हूं। मैं भारत विरोधी या अमेरिका विरोधी नहीं हूं। लेकिन हम नीतियों के खिलाफ हो सकते हैं। मैं उनसे दोस्ती चाहता हूं और सम्मान होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि सिर्फ कर्ज में डूबे रहने के कारण एक राष्ट्र को कभी भी किसी देश का गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा, इसके बाद मौत गुलामी से बेहतर है। खान ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव जीतेगी।

श्रीलंका आर्थिक संकट: सत्ता पर राजपक्षे की पकड़ हुई कमजोर, नवनियुक्त वित्त मंत्री का इस्तीफा

कोलंबो। (एजेंसी)

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के नेतृत्व वाले श्रीलंका के सत्तारूढ़ गठबंधन की मुश्किलें मंगलवार को तब और बढ़ गईं जब नव-नियुक्त वित्त मंत्री अली साबरी ने इस्तीफा दे दिया, वहीं पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना के नेतृत्व वाले असंतुष्ट सांसदों ने देश के सबसे बड़े आर्थिक संकट को लेकर राष्ट्र व्यापी विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में सरकार छोड़ने की योजना बनाई। राष्ट्रपति राजपक्षे ने अपने भाई बासिल राजपक्षे को बर्खास्त करने के बाद साबरी को नियुक्त किया था, जो सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) गठबंधन के भीतर गुस्से के केंद्र में थे। राष्ट्रपति को लिखे एक पत्र में साबरी ने कहा कि उन्होंने एक अस्थायी उपाय के तहत यह पद संभाला है। साबरी ने पत्र में लिखा, 'हालांकि, बहुत विचार-विमर्श के बाद वर्तमान स्थिति को मद्देनजर रखते हुए, मेरा विचार है कि महामहिम को उचित अंतरिम प्रबंध करने होंगे जिससे इस अभूतपूर्व संकट से नए, सक्रिय व असाधारण उपाय करने की जरूरत है जिनमें नए वित्त मंत्री को नियुक्त करना भी शामिल है।'

साबरी उन चार मंत्रियों में शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति ने सोमवार को नियुक्त किया था। इससे एक दिन पहले उनके सभी मंत्रिमंडलीय सहयोगियों ने इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को जब संसद बुलाई गई तो सरकार के कईसहयोगियों ने तटस्थ रहने का फैसला किया। राष्ट्रपति राजपक्षे द्वारा पिछले सप्ताह आपातकाल की घोषणा के बाद से यह पहला सत्र था। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 2020 के आम चुनावों में 150 सीटें जीती थीं और विपक्ष के सदस्यों के पाला बदलने से उसकी संख्या में और बढ़ोतरी हुई थी हालांकि वह इनमें से कम से कम 41 सांसदों का समर्थन खोता हुआ दिखाई दे रहा है। अब ऐसा प्रतीत होता है कि 225 सदस्यीय संसद में साधारण बहुमत के लिए आवश्यक 113 सीटों से उसके पास पांच कम, 109 सीटें हैं। सरकार ने हालांकि दावा किया कि उसके पास साधारण बहुमत है। श्रीलंका वर्तमान में इतिहास के सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ईंधन, रसोई गैस के लिए लंबी लाइन, आवश्यक वस्तुओं की कम आपूर्ति और घंटों बिजली कटौती से जनता महीनों से परेशान है।

पार्टी सूत्रों ने सोमवार को राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कहा कि पूर्व राष्ट्रपति सिरीसेना की अगुवाई में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के असंतुष्ट सांसद सत्तारूढ़ एसएलपीपी का दामन छोड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी के 14 सांसद यह कदम उठा सकते हैं। एक असंतुष्ट सांसद उदय गम्मनपिला ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार के बजट पर हुए अंतिम वोट में 225 में से 157 वोट पाने वाले गठबंधन से 50-60 सदस्यों का अलग होना तय है। उन्होंने कहा कि इससे सरकार न सिर्फ अपना दो तिहाई बहुमत बल्कि साधारण बहुमत भी खो देगी। एसएलपीपी सांसद रोहित अबेगुनावर्धना ने हालांकि कहा कि सरकार 138 सांसदों के समर्थन के साथ पूरी तरह से मजबूत है।

आईसीसी का अगला चेयरमैन कौन? सौरव गांगुली और जय शाह के बीच हो सकती है जोर आजमाइश

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दुनिया के सबसे ताकतवर बोर्ड में से एक है। क्रिकेट की दुनिया में इसकी ताकत दिखाई देती है। यही कारण है कि आईसीसी के कई बड़े फैसले में बीसीसीआई की छाप दिखाई देती है। इन सब के बीच खबर यह भी है कि आईसीसी प्रमुख के पद पर भारत का दबदबा हो सकता है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और बीसीसीआई सचिव जय शाह दोनों ही आईसीसी अध्यक्ष बनने के इच्छुक है। इसकी सबसे बड़ी वजह वर्तमान अध्यक्ष ग्रेग बार्कले हैं जिन्होंने अपने कार्यकाल को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

एक प्रतिष्ठित अखबार ने बताया है कि वर्तमान के चेयरमैन ग्रेग बार्कले के बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और जय शाह से बेहद अच्छे संबंध है। बार्कले अपने कई और प्रतिबद्धताओं की वजह से

अपने कार्यकाल को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। यही कारण है कि अब इस बात की उम्मीद जताई जा रही है कि आईसीसी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। हालांकि इस तरह के संभावनाओं को फिलहाल आईसीसी के प्रवक्ता ने खारिज कर दिया है। माना जा रहा है कि ग्रेग बार्कले इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप तक अध्यक्ष पद पर बने रह सकते हैं। उन्होंने 2020 में अपना कार्यभार संभाला था।

जानकारी के मुताबिक आईसीसी की एक बैठक इस सप्ताह होने वाली है। इसमें सौरव गांगुली भी मौजूद रहेंगे। सौरव गांगुली फिलहाल आईसीसी की क्रिकेट समिति के चेयरमैन भी है। यही कारण है कि आईसीसी की कमान संभालने के लिए सौरव गांगुली एक पसंदीदा विकल्प हो सकते हैं। हालांकि जय शाह की भी दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही है। क्योंकि वह एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट है। अगर सौरव गांगुली या जय शाह दोनों में से कोई एक आईसीसी का चेयरमैन बनने में सफल होता है तो यह भारत के लिए बड़ी कामयाबी होगी। 2023 में एकदिवसीय विश्वकप भारत में होना है।

सुमित थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे, गौरव बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय मुक्केबाज सुमित सांगवान ने मंगलनवार को थाईलैंड के फुकेत में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2022 थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि गौरव चौहान को हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती दौर में बाई मिलने के बाद अपना पहला मैच खेलते हुए सुमित पूरे मैच में अच्छी लय में दिखे। उन्होंने पुरुषों के 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के तैमूर नर्सिटोव पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की।

दूसरी ओर गौरव (91 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन कजाकिस्तान के एबेक ओरलबे के खिलाफ 1-4 से हार के साथ अपना अभियान समाप्त किया। एशिया, यूरोप, ओशिनिया और अफ्रीका के 74 पुरुष और 56 महिलाओं सहित 130 शीर्ष मुक्केबाजों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट में सुमित चौथे भारतीय सेमीफाइनलिस्ट बन गए हैं। अन्य तीन भारतीयों में मोनिका (48 किग्रा), आशीष कुमार (81 किग्रा) और मनीषा (57 किग्रा) शामिलहैं, जो पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। छह भारतीय मुक्केबाज बुधवार को एक्शन में नजर आएंगे।

भाग्यबती कचारी (75 किग्रा), अमित पंघाल (52 किग्रा) और रोहित मोर (57 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में चुनौती पेश करेंगे, जबकि गोविंद साहनी (48), वरिंदर सिंह (60 किग्रा) और आशीष कुमार (81 किग्रा) फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि 2019 में आयोजित थाईलैंड ओपन के अंतिम संस्करण में भारतीय दल ने कुल आठ पदक (एक स्वर्ण, चार रजत, तीन कांस्य) जीते थे।

रोनाल्डो बने तो सबसे पहले अपने दिमाग को स्कैन करेंगे विराट

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बड़े प्रशंसक हैं। विराट ने कहा है कि अगर वह सुबह उठकर पाते हैं कि वह रोनाल्डो बन गये हैं तो सबसे पहले अपने दिमाग को स्कैन करेंगे। विराट रोनाल्डो के काम और फिटनेस के कायल हैं। इसी कारण उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आसीबी) के फोटोशूट के दौरान रोनाल्डो की सराहना की। कोहली से जब यह पूछा गया कि उनका पसंदीदा खिलाड़ी कौन है और अगर वह एक दिन उनकी तरह बनकर उठेंगे तो क्या करेंगे तब इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि रोनाल्डो। उन्होंने कहा कि मैं अगर रोनाल्डो बन गया तो अपने दिमाग को स्कैन करूंगा और देखूंगा कि इतनी मानसिक मजबूती कहां से आती है। इस दौरान उन्होंने बेंगलोर की टीम में दिल तोड़ने वाले क्षण और सबसे यादगार क्षण पर भी बात की। कोहली ने दिल तोड़ने वाले क्षण पर कहा कि आईपीएल फाइनल 2016 और उसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल रहे। वहीं सबसे यादगार क्षण के रूप में उन्होंने आईपीएल 2016 का गुजरात लायंस के खिलाफ क्वालीफायर एक को चुना।

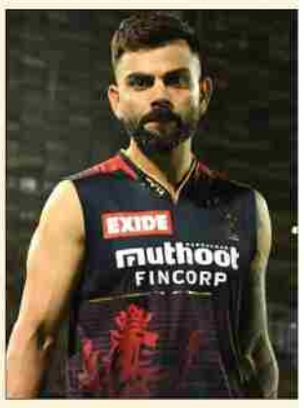

केकेआर के खिलाफ पोलार्ड करेंगे बेहतर प्रदर्शन : टिम डेविड

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस के टिम डेविड ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच को लेकर कहा कि उनकी टीम को ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पोलार्ड ने पिछले एक दशक से अधिक समय से मुम्बई इंडियंस की ओर से अहम अवसरों पर शानदार प्रदर्शन किया था।

टिम ने केकेआर के खिलाफ होने वाले मुंबई इंडियंस के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ÷मुझे लगता है कि पोलार्ड आईपीएल में दस साल से अधिक समय तक खेले हैं, इसलिए उनके पास बहुत अनुभव है।यह सब समय के साथ स्वाभाविक रूप से होता है। इतने साल किसी क्लब के साथ बिताने के दौरान आप हर तरह के हालात से गुजरते हैं, अलग-अलग अनुभव प्राप्त करते हैं, विभिन्न हालातों, ट्रेनिंग में अलग-अलग अनुभव पाते हैं और फिर अपने विचारों और खेल के स्तर के आधार पर टीम के लिए योगदान देते हैं। उम्मीद है, मैं भी उनमें से कुछ अनुभव प्राप्त कर सकूंगा और

शायद उनमें से कुछ को अपने खेल में अमल में लगाकर बेहर प्रदर्शन कर पाउंगा। जिससे मैं अपनी टीम की ओर से अच्छा योगदान दे सकूं।

डेविड ने साथ ही कहा कि कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच माहेला जयवर्धने से भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। रोहित और जयवर्धने दोनों को खेल के सर्वश्रेष्ठ विचारकों में से एक के रूप में समान रूप से स्वीकार किया जाता है। डेविड मानते हैं कि उनको इन दो दिग्गजों की रणनीति से फायदा मिलेगा और वह इसके माध्यम से अपनी क्षमताओं को निखार सकते हैं। डेविड ने रोहित के बारे में कहा, ÷वह एक मजेदार कप्तान रहे हैं। मैंने उसके साथ केवल दो मैच खेले हैं, लिहाजा उनकी कप्तानी की आदत डाल रहा हूं। साथ ही मैं टीम के हर के सदस्य के साथ रहने और खेलने की आदत डाल रहा हूं।

कोरिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे लक्ष्य

सुनचियोन । भारत के लक्ष्य सेन कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। लक्ष्य ने पहले दौर में कोरिया के ही चोई जी हून को कड़े मुकाबले में हराया। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लक्?य ने एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में हून को 14-21, 21-16, 21-18 से हराया। अब अगले दौर में अब उनका मुकाबला इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो से होगा। लक्?य पिछले माह ही ऑल इं?लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंचे थे हालांकि वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लक्ष्य ने पिछले साल दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 500 का खिताब अपने नाम किया और फिर वह जर्मन ओपन में भी फाइनल तक पहुंचे थे।

पुजारा काउंटी चैंपियनशिप के पहले मैच में नहीं खेलेंगे

लंदन । भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के खिलाफ पहले मुकाबले में नहीं खेल पायेंगे। पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद ही काउंटी टीम से करार किया था। पुजारा को 7 अप्रैल को ससेक्स की ओर से डेब्यू करना था, मगर उन्हें इससे पहले ही झटका लग गया है। वह ससेक्स के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। इसका कारण उनके वीजा पर अभी तक मुहर नहीं लगना बताया गया है। इस कारण वह पहले मैच के लिए टीम से नहीं जुड़ पायेंगे। पुजारा के वीजा मामले में देरी का कारण रूस और यूक्रेन के बीच हो रही जंग है। इस बारे में ससेक्स के परफॉर्मेंस डायरेक्टर कीथ ग्रीनफील्ड ने कहा कि इंग्लैंड के वीजा संबंधित कार्यालय के लोग यूक्रेन के शरणार्थियों को स्थानांतरित कराने में व्यस्त हैं.

उन्होंने कहा कि हम उम्मीद कर रहे थे पुजारा पिछले सप्ताह ही टीम से जुड़ जाएंगे, मगर वो इस सप्ताह के आखिर तक यहां पहुंच जाएंगे। ऐसे में पुजारा अगले सप्ताह डर्बीशर के खिलाफ मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध होंगे। वहीं ससेक्स के कोच और इंग्लैंड के पूर्व लेग स्पिनर इयान सलिसबरी ने कहा कि पहले मैच से पुजारा के बाहर होने पर निराशा है, मगर अब हमारा पूरा ध्यान पहले मैच पर है।

लखनऊ की जीत में महत्वपूर्ण साबित हो रहा यह तेज गेंदबाज, भविष्य में कर सकता है बुमराह-शमी की बराबरी

मुबई (एजेंसी)।

सोमवार को लखनऊ सुपरजाइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एक दिलचस्प मुकाबला खेला गया। लखनऊ सुपरजाइंट्स ने इस मुकाबले को 12 रन से जीत लिाया लखनऊ की इस जीत में कप्तान केएल राहुल के साथ-साथ एक खिलाड़ी की खूब चर्चा हुई। वह खिलाड़ी है तेज गेंदबाज आवेश खान। इस मुकाबले में आवेश खान ने खरतनाक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। आवेश खान के इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मैन ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया। आवेश खान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान हैदराबाद के बल्लेबाजों को खुलकर स्ट्रोट खेलने नहीं दिया और काफी किफायती गेंदबाजी की। आवेश खान ने 18 ओवर की पहली गेंद पर छक्का खाने के बावजूद भी उस ओवर में दो सफलताएं अर्जित की और किफायती गेंदबाजी की। लखनऊ की जीत में यह ओवर टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

25 वर्षीय युवा गेंदबाज टीम इंडिया के लिए भी दो टी-20 मुकाबले खेल चुका है। दो मुकाबलों में से 2 विकेट

हासिल हुए हैं। लेकिन इसे भविष्य का तेज गेंदबाज माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले दिनों में आवेश खान टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के विकल्प बन सकते हैं। आवेश खाने 2021 के आईपीएल में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 16 मुकाबलों में 24 विकेट चटकाए थे। उस समय आवेश खान दिल्ली कैपिटल्स के सदस्य थे। लेकिन इस बार लखनऊ सुपरजाइंट्स ने आवेश को 10 करोड़ में खरीदा है। आवेश की बेस प्राइस 20 लाख थी। ऐसे में उन्हें 50 गुना ज्यादा कीमत हासिल हुई है। आईपीएल में आवेश ने अपना पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेला था।

इस साल के आईपीएल में फिलहाल आवेश खान ने तीन मुकाबले खेले हैं और 8 विकेट चटकाए है। पर्पल कैप की रेस में वह दूसरे नंबर पर हैं। युवा तेज गेंदबाज आवेश खान को लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे टूर्नामेंट में गेंदबाजों को किसी तरह की राहत मिलने की संभावना नहीं है और दबाव से अच्छी तरह से पार पाना उनके लिये सफलता की कुंजी है। आवेश ने कहा कि आईपीएल में गेंदबाज होने के कारण आप पर प्रत्येक मैच में दबाव रहता है और आप उससे कैसे पार पाते हैं यह महत्वपूर्ण है। मैंने कभी नहीं सोचा कि मैं टीम का मुख्य गेंदबाज हूं। मैं हमेशा टीम के लिये विकेट लेने की कोशिश करता हूं।

यूरोपीय जीटी4 रेस में दो बार शीर्ष तीन में शामिल रहे एकमात्र एशियाई अखिल रबिंद्रा

बेंगलुरू। एस्टन मार्टिन ड्राइवर अकादमी से जुड़े और इस साल यूरोपीय जीटी4 में भाग ले रहे एकमात्र एशियाई अखिल रबिंद्रा अपनी नयी टीम रेसिंग स्पिरिट ऑफ लेमन के साथ सत्र के पहले दौर में दो बार 'पोडियम' (शीर्ष तीन) पर पहुंचने में सफल रहे। अखिल और उनकी टीम के साथी टॉम कैनिंग ने इमोला सर्किट में पहले दौर की दोनों रेस पूरी करते हुए सिल्वर कप श्रेणी में तीसरा स्थान (पी3) हासिल किया। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार अखिल ने क्वालीफाइंग रेस दो के बाद कुल मिलाकर चौथा स्थान हासिल किया था। अखिल ने अपने साथी कैनिंग के साथ पहली रेस में शानदार शुरुआत की। उन्होंने पी चोवेट और जे स्कीयर की टीम के तकनीकी कारणों से अयोग्य घोषित किये जाने के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद दूसरी रेस में भी अखिल और कैनिंग की टीम तीसरे स्थान पर रही।

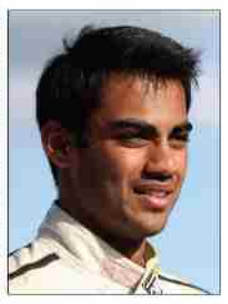

प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंची भारतीय हॉकी टीम

दोनो ही मैचों में जीत के बाद भी संतुष्ट नहीं कोच रीड

भुवनेश्वर । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंग्लैंड को एफआईएच प्रो लीग के दूसरे मैच में भी हरा दिया। उप कप्तान एवं डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह के गोलों की हैट्रिक से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां कलिंग स्टेडियम में इंग्लैंड को 4-3 से हराया। वहीं पहले मैच में भारतीय टीम ने तय समय तक 3-3 से बराबरी पर रहने के बाद पैनाल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम इन दो मैचों में जीत के बाद अब 10 मैचों में 21 अंक लेकर प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है हालांकि इससे टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड संतुष्ट नहीं हैं। रीड ने कहा कि भारतीय टीम जिस प्रकार बढ़त हासिल करने के बाद भी मैच पर अपना नियंत्रण नहीं रख पा रही उस कमजोरी को दूर करना होगा। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी का अवसर देने को सही नहीं मानते। भारतीय टीम ने इंग्लैंड से अपने दोनों मैच जीते। उसने पहले मैच में निर्धारित समय तक स्कोर 3-3 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी जबकि रविवार को दूसरे मैच को उसने 4-3 से जीता था। रीड ने कहा, ''ऐसा लगता है कि हमारी उन मैचों का अच्छी तरह से अंत नहीं करने की आदत बन गयी है जिन पर हमारा नियंत्रण होता है। हम अपनी गलतियों से विरोधी टीम को वापसी का मौका देते है। तीसरे क्वार्टर में हमने मैच पर कुछ नियंत्रण खो दिया था और हमें इस पर गौर करने की जरूरत है।'' भारत को प्रो लीग के अगले चरण में कलिंग स्टेडियम में ही 14 और 15 अप्रैल को जर्मनी से खेलना है।

रीड ने कहा, ''जीत दर्ज करना और तालिका में शीर्ष पर पहुंचना अच्छा है पर अब हमें जर्मनी से मुकाबले की तैयारी होगी।''वहीं दूसरे मैच में हैट्रिक लगाने से हरमनप्रीत बेहद खुश हैं। वह टीम की जीत में योगदान देकर खुश हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंगः मिताली सातवें स्थान पर खिसकी, मंधाना नौवें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान मिताली राज मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं। हाल में संपन्न महिला विश्व कप में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रही मिताली के 686 रेटिंग अंक हैं। वह विश्व कप में सात मैच में 26 की औसत से 182 रन की बना सकीं थी।

मंधाना ने विश्व कप में सात मैच में 46.71 की औसत से 327 रन बनाए जिससे उनके 669 अंक हो गए हैं। टूर्नामेंट में उनका सर्वोच्च स्कोर 123 रन रहा। भारतीय उप कप्तान हरमनप्रीत कौर भी एक स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरमनप्रीत विश्व कप में सात मैच में 318 रन के साथ भारत की दूसरी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहीं।

इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 170 रन की शानदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट को पछाड़ा। एलिसा ने विश्व कप में दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से नौ मैच में 509 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 103.66 रहा। वह टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं।

एलिसा के अलावा आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी, मेग लैनिंग और राशेल हेन्स बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल हैं। विश्व कप फाइनल में नाबाद 148 रन बनाने वाली इंग्लैंड की आलराउंडर नैट साइवर दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वह एलिस पैरी को पछाड़कर आलराउंडर की सूची में शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन नंबर एक गेंदबाज बनी हुई हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज शब्निम इस्माइल दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज आन्या श्रुबसोल पांच स्थान की छलांग के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं। भारत की झूलन गोस्वामी पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। वह आलराउंडर की सूची में 10वें पायदान पर हैं जबकि इसी सूची में भारत की दीप्ति शर्मा सातवें स्थान पर हैं।

केरल में तस्करी गतिविधियों को संरक्षण दे रहा सीएम कार्यालय : आरिफ मोहम्मद

तिरुवनंतपुरम, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। केरल में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा तस्करी गतिविधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सनसनी मचा दी है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में तस्करी गतिविधियों को संरक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उनका हस्तक्षेप करना जायज है।

केरल के राज्यपाल ने कहा, मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। लेकिन अब मैं देख रहा हूं कि सभी तस्करी गतिविधियों को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का संरक्षण प्राप्त है। लेकिन अगर राज्य सरकार, सीएमओ और सीएम के करीबी लोग तस्करी गतिविधियों में शामिल हैं, तो निश्चित रूप से मेरा हस्तक्षेप करना बनता है। राज्यपाल खान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आरोपों पर पत्रकारों को जवाब दे रहे थे। सीएम ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों को आरएसएस और संघ परिवार का सेंटर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

विजयन ने तिरुवनंतपुरम में शिक्षा संरक्षण समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन में खान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के खिलाफ उनके कदम, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करना और राज्य के वित्त मंत्री को हटाने की मांग करना यहां आरएसएस-संघ परिवार का एजेंडा लागू करने के प्रयास हैं।

आरोपों को खारिज करते हुए राज्यपाल खान ने कहा कि वह विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति में उनके हस्तक्षेप का एक भी उदाहरण आने पर इस्तीफा देने को तैयार हैं। खान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय राज्य में तस्करी की गतिविधियों को संरक्षण दे रहा है और ऐसे हालात में उनके पास हस्तक्षेप करने का आधार है। उन्होंने कहा, मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। लेकिन अब मैं देख रहा हूं कि सीएमओ में बैठे लोग कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति को अपने कम योग्यता प्राप्त और अयोग्य रिश्तेदारों की नियुक्ति के लिए निर्देश देते हैं। मैंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया।

खान ने कहा, लेकिन यदि राज्य सरकार, सीएमओ और मुख्यमंत्री के करीबी लोग तस्करी गतिविधियों में शामिल हैं तो निश्चित रूप से मेरे हस्तक्षेप करने का आधार बनता है। राज्यपाल ने साथ ही मुख्यमंत्री विजयन को सार्वजनिक तौर पर चुनौती देते हुए पूछा कि क्या आरोप साबित न कर पाने पर वह पद से इस्तीफा देंगे ?

मुद्रा योजना के तहत वितरित किए गए 20 लाख करोड़ रुपये, महाराष्ट्र पहले नंबर पर : पीएम मोदी

मुंबई, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी वाली मुद्रा योजना का पीएम मोदी अक्सर अपनी जनसभाओं में करते नजर आते हैं। वहीं एक बार फिर पीएम मोदी ने इस योजना का जिक्र किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार की मुद्रा योजना के तहत अब तक 20 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया है।

साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र इस स्कीम के बड़े लाभार्थियों में से एक है। महाराष्ट्र सरकार के 75,000 लोगों को रोजगार देने के उद्देश्य के तहत नियुक्ति पत्र वितरित गए। इस दौरान आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रसारित एक वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार स्टार्ट-अप और सूक्ष्म उद्योगों को भी सहायता प्रदान कर रही है।

मोदी सरकार ने अप्रैल 2015 में युवाओं को ध्यान में रखते हुए गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) योजना शुरू की गई थी। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ग्रामीण विकास विभागों में ज्यादा से ज्यादा भर्तियां की जाएंगी। भारत को विकसित देश बनाने में युवाओं की अहम भूमिका है। केंद्र ने 10 लाख रोजगार देने का कार्यक्रम शुरू किया है और इसी तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार ने 75,000 लोगों को रोजगार देने की योजना शुरू की है। यह गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सूक्ष्म उद्योग क्षेत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों में, एसएचजी में काम करने वाली आठ करोड़ महिलाओं को 5.5 लाख करोड़ रुपये तक की धनराशि प्रदान की गई है। आगे कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश किया जा रहा है, इसलिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

गुजरात की सेवा के लिए बनाई गई नई रकार : जयंत पाटिल

मुंबई, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं के राज्य से बाहर जाने पर राकांपा नेता जयंत पाटिल ने गुरुवार को महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री पर 'गुजरात की सेवा' करने का आरोप लगाया।

दरअसल, यहां पुलिस भर्ती को फिर से शुरू करने की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा, टाटा जैसे समूह द्वारा अपनी परियोजना के लिए दूसरे राज्य को चुनना सरकार के लिए शर्मिंदगी की बात है।

उन्होंने आगे कहा, परियोजनाओं को गुजरात में ट्रांसफर किया जा रहा है और मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री मूकदर्शक बने हुए हैं। अगर वेदांता-फॉक्सकॉन परियोजना राज्य में आती, तो इससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तीन से चार लाख रोजगार पैदा होते।

राज्य के पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि वेदांता-फॉक्सकॉन के बाद टाटा कंसोर्टियम और एयरबस की सैन्य विमान परियोजना भी गुजरात चली गई। राकांपा नेता ने दावा किया कि राज्य में ई सरकार लाने की साजिश रची गई, ताकि नई सरकार (शिंदे सरकार) गुजरात की सेवा कर सके।

इसी साल जून में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी सरकार (एमवीए) गिरने के बाद शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई थी। पाटिल ने राज्य सरकार पर एमवीए सरकार द्वारा लिए गए फैसलों के क्रियान्वयन में बाधा डालने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि हमने पुलिस भर्ती का फैसला लिया था और मौजूदा सरकार को केवल इसे लागू करने की जरूरत है, लेकिन वे बाधाएं पैदा कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के पहले पन्ने पर सरकार का एक विज्ञापन आने पर पाटिल ने कहा, कोई भी अखबार किसी भी विज्ञापन को मना नहीं करेगा।

कर्नाटक में गरीबों के लिए आए चावल की गोवा, महाराष्ट्र में 'तस्करी' : आप

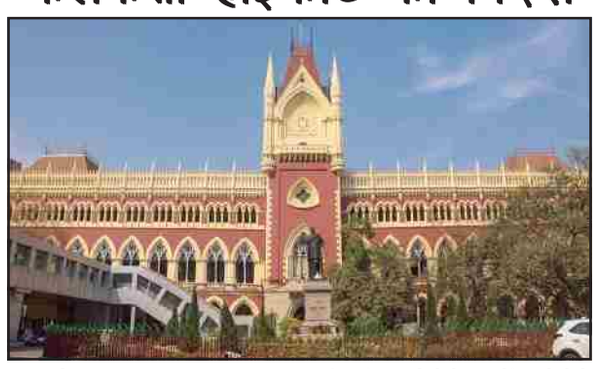

बेंगलुरु, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) की कर्नाटक इकाई ने गुरुवार को आरोप लगाया कि गरीबों के लिए आए चावल की गोवा और महाराष्ट्र में तस्करी की जाती है।

यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आप नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश कलप्पा ने दावा किया, 'अन्न भाग्य चावल, जो गरीबों का है, उसे काला बाजार में बेचा जा रहा है। कई टन अन्ना भाग्य चावल की तस्करी गोवा और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों में की जा रही है।'

उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने जल्द ही अनियमितताओं पर अंकुश नहीं लगाया तो विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया, 'सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय 40 प्रतिशत कमीशन लेने के बाद चुप है। सरकार के कमीशन के लालच के कारण गरीब पीड़ित हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'यह एक जनविरोधी और भ्रष्ट सरकार है जो पैसे के लिए लोगों के हितों की बलि दे रही है।'

बृजेश कलप्पा ने कहा, 'पिछले तीन वर्षों में अन्न भाग्य योजना के तहत राशन की कालाबाजारी के संबंध में 800 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।'

उन्होंने कहा, '2020-21 में 65, 2021-22 में 472 और 2022-23 में अवैधता के 300 से अधिक मामले सामने आए। इतनी बड़ी संख्या में मामले दर्ज होने के बावजूद सरकार ने इस पर अंकुश लगाने के लिए सिस्टम में कोई बदलाव नहीं किया है।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'कर्नाटक में राशन तस्करों के साथ सरकार की साजिश के कारण कुपोषण और बाल मृत्युदर बढ़ रही है।'

महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार, राज्य में 11,961 बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं और 3,64,614 बच्चे सामान्य रूप से कुपोषित हैं।

आप नेता ने कहा, 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति को 107 तक गिराने में कर्नाटक का योगदान अधिक है जो पाकिस्तान से भी बदतर है। इसके लिए भ्रष्ट भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'

आईआईटी छात्र फैजान की मौत की जांच रिपोर्ट पेश करें, कलकत्ता हाईकोर्ट का निर्देश

कोलकाता, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। आईआईटी खड़गपुर के छात्र फैजान अहमद की मौत के मामले में आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुलिस को जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। तृतीय वर्ष के छात्र फैजान का शव हॉस्टल के रूम में मिला था।

जस्टिस राजशेखर मंथा ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई की तारीख पर केस डायरी पेश करे। कोर्ट ने यह आदेश असम मूल के छात्र फैजान के पिता की याचिका पर दिया। उन्होंने अपनी याचिका में बेटे की मौत विशेष जांच दल से कराने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

हाईकोर्ट ने पश्चिमी मेदिनीपुर के पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे फैजान की मौत के मामले की जांच रिपोर्ट पेश करें। कोर्ट ने एसपी से यह भी कहा कि वे मामले की जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त करें। इसके साथ ही मृतक के शव के नमूनों का विसरा परीक्षण कराएं।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अगली सुनवाई तिथि 10 नवंबर को जांच अधिकारी भी कोर्ट में मौजूद रहें। फैजान अहमद का शव 14 अक्तूबर को हॉस्टल के कक्ष में मिला था। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने 20 अक्तूबर को बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखकर मामले की गहन जांच कराने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि राज्य के तिनसुकिया जिले के रहने वाले फैजान की किन परिस्थितियों में मौत हुई, उसकी विस्तृत जांच होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने आईओए चुनाव कराने के प्रस्ताव को किया स्वीकार

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी समिति के लिए 10 दिसंबर को चुनाव कराने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और हिमा कोहली ने कहा, 'इस अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव ने 2 नवंबर को एक नोट प्रस्तुत किया है। नोट व्यापक अभ्यास को इंगित करता है, जो इस अदालत के पूर्व न्यायाधीश द्वारा त्वरित आधार पर किया गया है।'

उन्होंने कहा, 'अदालत उस तत्परता की सराहना करती है जिसके साथ राष्ट्रीय हित में असाइनमेंट लिया गया है। न्यायाधीश ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राज्य संघों सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत की है।'

पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति राव द्वारा प्रस्तुत नोट के संदर्भ में सहमति है कि चुनाव 10 दिसंबर, 2022 को होना चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष केंद्र का प्रतिनिधित्व किया।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ के संविधान में प्रस्तावित संशोधनों को आज परिचालित किया जाना है ताकि आम सभा की बैठक 10 नवंबर को हो सके। इस संबंध में जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है उसे स्वीकार किया जाता है। प्रस्तावित संशोधनों को परिचालित करने की अनुमति है। न्यायमूर्ति नागेश्वर राव प्रस्तावित संशोधनों के प्रचलन के तौर-तरीकों को चाक-चौबंद करने के लिए स्वतंत्र हैं।'

पीठ ने आदेश दिया कि किसी अन्य अदालत को आईओए के संविधान में संशोधन या आईओए की कार्यकारी समिति के चुनाव से संबंधित किसी भी याचिका पर विचार नहीं करना चाहिए।

पीठ ने कहा, 'किसी भी व्यक्ति या पक्ष द्वारा सभी आपत्तियां अकेले इस अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएंगी।'

पीठ ने आईओए को न्यायमूर्ति राव को 20 लाख रुपये के मानदेय का भुगतान करने का भी निर्देश दिया, हालांकि उन्होंने उन्हें सौंपे गए कार्य को मुफ्त में लिया था।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि न्यायमूर्ति नागेश्वर राव ने संकेत दिया है कि वह उस कार्य को करेंगे जो इस अदालत द्वारा नि:शुल्क सौंपा गया है। सॉलिसिटर जनरल ने निष्पक्ष रूप से कहा कि कार्य की भयावहता और प्रयासों को देखते हुए, यह उचित होगा कि न्यायाधीश को मानदेय का भुगतान किया जाए।

पीठ ने कहा, 'सहायक वकील को देय पारिश्रमिक न्यायाधीश द्वारा तय किया जाएगा और आईओए को सूचित किया जाएगा। आईओए पारिश्रमिक को निर्धारित करने के लिए सहमत हो गया है।'

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 7 दिसंबर को निर्धारित की है।

चुनावी नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 03 नवम्बर। आसन्न पंचायत चुनाव के सुचारू आयोजन हेतु सोरेंग डीसी सह रिटर्निंग अधिकारी भीम टठाल ने आज स्थानीय गवर्नमेंट बीएड कॉलेज के सभागार में एक समीक्षा बैठक की। इसमें सहायक रिटर्निंग अधिकारी धीरज सुबेदी, सोरेंग एडीसी श्री गायस पेगा, एडीसी (विकास) रंजन राई, सोरेंग एसडीएम डीआर बिष्ट के अलावा एसडीएम मुख्यालय, सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर पुलिस अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष, मतदान कर्मी उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे आरओ सह डीसी टठाल ने सोरेंग जिला गठन के बाद हो रहे इस पहले चुनाव के लिए सभी को राज्य चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों के तहत मतदान केंद्रों की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें बिजली, पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं सहित अपने-अपने मतदान केंद्रों के उचित निरीक्षण हेतु एआरओ, सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस अधिकारियों की टीमें गठित करने की सलाह दी। इस दौरान डीसी ने जिले के पूर्ण रुप से महिलाओं द्वारा संचालित सभी 'पिंक बूथ' पर आवश्यक सभी सामग्रियां उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

बैठक में बेहतर सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण हेतु पुलिसकर्मियों की तैनाती, मतदान केंद्रों के निकट पीएचसी और सीएचसी के आपात स्थिति के लिए सुसज्जित होने, चुनावी ड्यूटी वाहनों के लिए बैठक बिंदुओं की पहचान समेत अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान डीसी टठाल ने टीम के सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयासों पर आगामी पंचायत चुनावों की सफलता निर्भर होने की बात कहते हुए सेक्टर मजिस्ट्रेटों को आदर्श आचार संहिता और निर्धारित घंटों में शराब प्रतिबंधों के अनुपालन का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस अधिकारियों को किसी भी अपराध का तत्काल संज्ञान लेने का निर्देश दिया।

मनीष सिसोदिया का खिचड़ीपुर आईटीआई दौरा, छात्रों के साथ किया संवाद

नई दिल्ली, 03 नवम्बर (एजेन्सी)। उपमुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को केजरीवाल सरकार के खिचड़ीपुर, आईटीआई में छात्रों के साथ संवाद किया।

दिल्ली स्किल यूनिवर्सिटी से जिन छात्रों ने आईटीआई की है उनके आईटीआई कोर्स को 11वीं-12वीं की मान्यता मिली है यहां 10वीं कक्षा के बाद आईटीआई करने वाले छात्र सीधे डिग्री, डिप्लोमा कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। इससे छात्रों का यह डर दूर हो जाता है कि अगर दसवीं के बाद सीधे आईटीआई में आ गये तो उनकी 11वीं-12वीं का क्या होगा। दिल्ली स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी ने बताया कि आईटीआई के छात्रों के इस डर को दूर करने के लिए यह काम किया गया है।

दिल्ली के शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को आईटीआई में छात्रों के साथ संवाद किया। कोर्सेज के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर चर्चा की, कि वे आईटीआई के बाद अपना क्या भविष्य देखते हैं। संवाद के दौरान छात्रों ने बताया कि आईटीआई के प्रोफेशनल कोर्सेज से उन्हें ग्रेजुएशन से ज्यादा आत्मविश्वास मिल रहा है। अब उन्हें इस बात का डर नहीं है कि कोर्स के बाद उन्हें नौकरी के लिए भटकना पड़ेगा।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई जैसे संस्थानों से ट्रेनिंग लेकर निकलने वाले हुनरमंद छात्र भविष्य की नई इबारत लिखेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा देश विकसित तभी बनेगा जब देश का हर युवा स्किल्ड हो, इसलिए डिग्री हासिल करने के साथ-साथ युवाओं को हुनरमंद बनना होगा।

बता दें कि आईटीआई में पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री व बाजार की जरूरतों को देखते हुए बहुत से आधुनिक कोर्सेज की शुरुआत कि गई है। इन आईटीआई में पढ़ने वाले लगभग शत प्रतिशत बच्चों का प्लेसमेंट हो जाता है या फिर वे अपना खुद का काम शुरू कर देते है। आईटीआई विजिट के दौरान उपमुख्यमंत्री ने देखा कि यहां मौजूद बहुत से बच्चे 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद आईटीआई कर रहे है।

शिक्षामंत्री ने छात्रों से पूछा कि ऐसा क्यों है कि 11वीं-12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी युवा वो कोर्स कर रहे है जो वे 10वीं के बाद कर सकते हैं। इसपर हर छात्र ने इस बात को बहुत अच्छे से बताया कि आईटीआई का उनका कोर्स से उन्हें 11वीं-12वीं या ग्रेजुएशन की पढाई से ज्यादा आत्मविश्वास दे रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के बहुत से देशों में अब ये मानसिकता बदलने लगी है और उन्होंने शिक्षा को लेकर अपनी परम्परागत मान्यताओं से दूर जाना शुरू कर दिया है और टेक्निकल एजुकेशन पर फोकस किया है। भारत में भी हमें इस सोच के साथ आगे बढ़ने की जरुरत है।

सिसोदिया ने आईटीआई के छात्रों से आह्वान किया कि एक ऐसे समाज में जहां यह माना जाता है कि यदि ग्रेजुएशन नहीं की तो बच्चे की पढाई में बहुत बड़ी कमी रह गई। वैसे समाज में हमें बच्चों को प्रोफेशनल कोर्स की ओर मोड़ना है तो हमारे आईटीआई के बच्चों को हमारे स्कूलों के बच्चों को इंस्पायर करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए जल्द ही एक कार्यक्रम डिजाइन करेंगे जिसमें आईटीआई के बच्चों को स्कूलों में आईटीआई के लिए संभावित बच्चों से संवाद करवाया जायेगा और प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए प्रेरित किया जायेगा।

डियर साप्ताहिक लॉटरी औरंगाबाद निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

औरंगाबाद, महाराष्ट्र के श्री शेषराव काशीनाथ चवण ने 12.08.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 82A 34416 है। "डियर लॉटरी से एक करोड़ रुपए जीतने के बाद मैं अपनी खुशियां आंक नहीं पा रहा हूं और पूरी तरह नि:शब्द हो गया हूं। सपने ही जीवन हैं और उम्मीदें जरुरी। मैं भी किसी न किसी दिन एक करोड़ रुपए जीतने की उम्मीद के साथ अपनी किस्मत आजमाने के लिये तुरंत डियर लॉटरी खरीद लेता था। मेरी उम्मीदें बेकार नहीं गईं। डियर लॉटरी एक तरफ मेरे जैसे करोड़पति बना रही है, तो दूसरी तरफ काफी सारे रोजगार भी दे रही है।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com